छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 206 ■ अम्बिकापुर, रविवार 09 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

अब ग्राम पंचायतों में भी लगेगा संपत्ति कर, सिंहदेव ने जताई नाराजगी

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में भी अब संपत्ति कर लगाए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। पत्र में प्रत्येक कर योग्य परिवार पर न्यूनतम 1,200 रुपये वार्षिक यानी 100 रुपये प्रतिमाह भवन-मकान कर अधिरोपित किए जाने का उल्लेख है। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने इस पर आपत्ति जताते हुए इसे जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बताया है।इस पूरे मामले में डायरेक्टर पंचायत श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया ने कहा कि नगरीय निकायों की तरह पंचायतों में भी संपत्ति कर लेने का प्रावधान है। अब तक कर लिया जाता रहा है, लेकिन अब सालाना 1,200 रुपये संपत्ति कर लिया जा सकता है। मगर ग्रामसभा में अनुमोदन के बाद ही ऑनलाइन संपत्ति कर का भुगतान किया जा सकेगा।

बताया गया कि ग्राम पंचायतों में संपत्ति कर से संबंधित कार्यवाही को लेकर सभी ग्राम पंचायत सचिवों को अंतिम स्मरण पत्र जारी किया गया है।

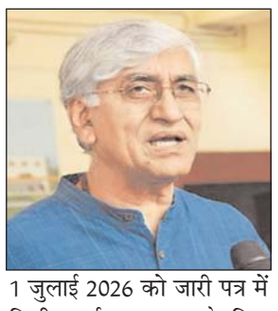

1 जुलाई 2026 को जारी पत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए समर्थ पंचायत पोर्टल एवं ग्राम संपदा ऐप में संपत्ति कर संबंधी समस्त कार्यवाही 24 घंटे के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।पत्र में कहा गया है कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अधिकांश ग्राम पंचायतों द्वारा संपत्ति कर से संबंधित कार्यवाही अब तक पूरी नहीं की गई है। इसमें करदाता प्रोफाइल पंजीयन, संपत्ति पंजी, संपत्ति को उसके स्वामी से जोडऩा, संपत्ति स्वामी का स्थिरीकरण तथा संपत्ति कर की मांग तैयार करने की प्रक्रिया शामिल है। ग्राम संपदा ऐप में भी संपत्ति कर संबंधी कार्यवाही लंबित बताई गई है।पत्र में कहा गया है कि यह कार्य 16वें वित्त आयोग के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत अनिवार्य है। इसके तहत ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी करयोग्य भवनों का सर्वेक्षण कर राशन कार्डधारी परिवारों को आधार मानते हुए प्रत्येक करयोग्य परिवार पर न्यूनतम 1,200 रुपये वार्षिक यानी 100 रुपये प्रतिमाह भवन-मकान कर अधिरोपित किया जाना है। इसके साथ ही पोर्टल एवं ऐप में सभी प्रविष्टियां दर्ज कर संपत्ति कर की मांग शत-प्रतिशत तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

एमसीबी जिले में कार्य में लापरवाही के कारण मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा भी आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। ग्राम पंचायत सचिवों को अंतिम अवसर देते हुए संपत्ति कर संबंधी समस्त कार्यवाही 24 घंटे के भीतर पूरी करने को कहा गया है।निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं करने पर संबंधित ग्राम पंचायत सचिव का वेतन आहरण स्थगित करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा संबंधित सचिव के विरुद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है।

सिंहदेव ने कहा-जनता पर आर्थिक कुठाराघात

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने इस आदेश को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भरतपुर जनपद में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर पहले से महंगाई की मार झेल रही जनता पर एक और आर्थिक कुठाराघात किया जा रहा है।सिंहदेव ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यह 16वें वित्त आयोग के निर्देशों का पालन है या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेश का? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्या यही पीएम मोदी की एक और गारंटी है कि जनता पर नए-नए आर्थिक बोझ डाले जाएं।सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ शासन से जनहित में इस आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

विवि को प्रशासनिक व एकेडमिक भवन के लिए 14 करोड़, सड़क के लिए 26 करोड़ की दरकार

एसजीजीयू में 15 नए पाठ्यक्रम की शुरूआत के लिए जुगाड़ के भवन की तलाश

हिन्दू अध्ययन पहली बार, डिजिटल मूल्यांकन होगा शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा द्वारा विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यूटीडी) में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 15 नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। कुलपति डॉ. राजेन्द्र लाकपाले ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों से सरगुजा संभाग में उच्च शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे और विद्यार्थियों को कौशल विकास के साथ रोजगारपरक शिक्षा भी उपलब्ध होगी। हालांकि इन पाठ्यक्रमों में कुछ महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों को शामिल नहीं किया गया है। वहीं उधार, जुगाड़ के भवन की तलाश में भी विवि प्रशासन लगा है। भकुरा में निर्मित विश्वविद्यालय का भवन आज भी अपूर्ण है। जहां एक ओर प्रशासनिक और एकेडमिक भवन के लिए 14 करोड़ की जरूरत है, वहीं व्यवस्थित सड़क के लिए 26 करोड़ की दरकार है।

कुलपति ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि, विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पारंपरिक विषयों के साथ नवीन, बहुविषयक, कौशल आधारित और रोजगारपरक पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की पहल की गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बदलते शैक्षणिक एवं व्यवसायिक परिदृश्य के अनुरूप तैयार करना तथा उच्च शिक्षा में विषयों के व्यापक विकल्प देना है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास पहुंच, समानता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के मूल उद्देश्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि शासन के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में विश्वविद्यालय के लिए 25 नए विभागों की स्वीकृति दी थी, लेकिन स्थानाभाव के कारण 15 विभाग ही प्रारंभ किए जा रहे हैं। हर विभागों के लिए अतिथि प्राध्यापकों की भर्ती प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि नए पाठ्यक्रम शुरू होने से सरगुजांचल के विद्यार्थियों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। कुछ विषयों में मान्यता संबंधी समस्याएं आड़े आने के कारण इन्हें अगले वर्ष तक शुरू करने की योजना है। इस दौरान सहायक प्राध्यापक आनन्द कुमार ने वर्ष 2008 में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अबतक शोध हुआ नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने किए गए प्रयास की जानकारी दी।

2008 के बाद सबसे बड़ा विस्तार

डॉ. लाकपाले ने बताया कि 2008 में विश्वविद्यालय स्थापना के समय केवल कंप्यूटर साइंस और फार्मेसी विभाग शुरू हुए थे। 2011 में एमएससी फार्म फॉरेस्ट्री, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी और 2014 में एलएलएम, प्रयोजनमूलक हिन्दी, एमएससी इन्वायरमेंटल साइंस जोड़े गए। अब 12 साल बाद 15 नए विषय जोड़े जा रहे हैं।

भवन के अभाव में 10 पाठ्यक्रम टले

कुलपति ने बताया कि नेप के तहत 25 नए पाठ्यक्रमों की स्वीकृति मिली थी, लेकिन भवनों के अभाव के कारण अभी केवल 15 ही शुरू किए जा रहे हैं। शेष 10 के लिए केन्द्रीय संस्थानों से स्वीकृति लेना बाकी है। भवन की कमी दूर करने और कक्षाओं के संचालन के लिए नगर पालिक निगम से गौरव पथ में नगर निगम के भवन के पास स्थित सामुदायिक भवन की मांग की गई है।

इन 15 पाठ्यक्रमों की शुरूआत

ग्रामीण प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, प्राणी विज्ञान, भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, ललित कला, अंग्रेजी, मानवशास्त्र एवं जनजातीय अध्ययन, वाणिज्य, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र और हिन्दू अध्ययन। इनमें हिन्दू अध्ययन छत्तीसगढ़ के किसी विश्वविद्यालय में पहली बार शुरू हो रहा है।

डिजिटल मूल्यांकन की प्रक्रिया

कुलपति ने बताया कि, विश्वविद्यालय परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, शीघ्रता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिजिटल मूल्यांकन व्यवस्था प्रारंभ कर रहा है। इसके अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाएगा। कुलपति ने इसे पॉयलट प्रोजेक्ट बताया और कहा कि, इससे मूल्यांकन में समय बचेगा, निष्पक्षता बढ़ेगी और मानवीय त्रुटियां कम होंगी। कॉपी किस विश्वविद्यालय की है, किस छात्र की है, इसका किसी को पता नहीं चलेगा।

डिजिटल मूल्यांकन के प्रमुख लाभ

- उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता.
- मूल्यांकन प्रक्रिया में समय की बचत.
- परीक्षा परिणामों का शीघ्र प्रकाशन.
- मूल्यांकन कार्य की बेहतर निगरानी.
- मानवीय त्रुटियों में कमी.
- डिजिटल रिकॉर्ड का सुरक्षित रखरखाव.
- परीक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक एवं प्रभावी बनाना.

पीएम-राहत योजना: सड़क हादसे में घायलों को 1.50 लाख तक कैशलेस उपचार

घटनास्थल जाकर पुलिस करेगी दुर्घटना की पुष्टि, उपचार के लिए मिलेगा ई-डीएआर आईडी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा), पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर के निर्देशानुसार पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, ई-डीएआर (ई-डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट), प्रणाली में प्रकरण अनुमोदन, भुगतान प्रक्रिया, डेटा गुणवत्ता, निधि उपयोग एवं विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 7 अगस्त को जिला पंचायत अंबिकापुर के सभाकक्ष में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम एम.आर. आहिरे, डीआईजीपी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान एम.आर. आहिरे ने पीएम-राहत योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वाहन से हुई सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दुर्घटना के 7 दिवस तक अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल एवं कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर अधिक से अधिक लोगों की जान बचाना है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ दिलाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचकर दुर्घटना की पुष्टि की जाएगी तथा घायल व्यक्ति को ई-डीएआर आईडी प्रदान कर नजदीकी नामांकित शासकीय अथवा निजी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा जाएगा। इसके लिए एफआइआर की अनिवार्यता नहीं है। अधिकारियों ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस, स्वास्थ्य एवं परिवहन विभाग के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अंतर्विभागीय लीड एजेंसी पुलिस मुख्यालय से प्रशिक्षक दिनेश टॉक एवं सारांश श्रींके, वरिष्ठ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अंबिकापुर तथा जिला परिवहन अधिकारी सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर एवं कोरिया सहित संभाग के विभिन्न जिलों के पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर एवं जशपुर जिले के डी.आर.एम. भी प्रशिक्षण में शामिल हुए।

ई-डीएआर में समयबद्ध सत्यापन पर जोर

प्रशिक्षण में ई-डीएआर प्रणाली में दुर्घटना से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत जांच एवं समयबद्ध सत्यापन की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी गई। ऐसे प्रकरण जिनमें घायल व्यक्ति की मृत्यु की संभावना नहीं है, उनका 24 घंटे के भीतर तथा मृत्यु की संभावना वाले प्रकरणों का 48 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से सत्यापन किया जाना है। उपचार पूर्ण होने के बाद घायल व्यक्ति के अस्पताल से डिस्चार्ज होने के 10 से 15 दिवस के भीतर संबंधित अस्पताल को भुगतान किए जाने की प्रक्रिया के बारे में भी अधिकारियों को अवगत कराया गया।

राह-वीर योजना के तहत मिलेगा 25 हजार

प्रशिक्षण के दौरान राह-वीर योजना की जानकारी भी दी गई। इसके अंतर्गत सड़क दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर यानी दुर्घटना के प्रथम एक घंटे के भीतर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करने वाले व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को 25 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर पीएम-राहत योजना एवं राह-वीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए, ताकि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को समय पर उपचार मिल सके और आम नागरिक भी दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आएं। इससे दुर्घटना में पीड़ित को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

बिजली गिरने से घायल करते रहे आधे घंटे तक डॉक्टर का इंतजार

लखनपुर सीएचसी में एक नर्स के भरोसे रहा अस्पताल, 108 भी नहीं मिली

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। आकाशीय बिजली गिरने से घायल हुए 3 मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर में ड्यूटी डॉक्टर नदारद मिले और पूरा अस्पताल एक स्टाफ नर्स के भरोसे चलता रहा। 108 एंबुलेंस भी समय पर नहीं पहुंची। घटना के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पूरा मामला ग्राम केंवरी का है। बीते दिनों वीरेंद्र, विनोद और लोकनाथ एक घर में काम कर रहे थे। इसी दौरान मौसम बदला और वज्रपात हो गया, इसके बाद तीनों बेहोश हो गए। स्वजन ने तुरंत 108 संजीवनी एंबुलेंस पर कॉल किया, लेकिन कई बार कॉल करने के बाद जवाब मिला कि, एंबुलेंस उपलब्ध नहीं है, अंबिकापुर से कुछ देर में आएगी। मजबूर स्वजन निजी वाहन से तीनों घायलों को लखनपुर सीएचसी लेकर पहुंचे।

आरोप है कि, जब घायलों को अस्पताल लाया गया तब वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। केवल एक स्टाफ नर्स ही तीनों का देखभाल कर रही थी। नियमानुसार 2-3 स्टाफ नर्स की ड्यूटी होनी चाहिए, लेकिन उस समय सिर्फ एक नर्स के भरोसे पूरा अस्पताल चल रहा था। करीब आधे घंटे बाद ड्यूटी डॉक्टर पहुंचे, तब जाकर इलाज शुरू हो सका। फिलहाल तीनों घायलों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। लेकिन इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लखनपुर सीएचसी हमेशा अपनी कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा में रहता है। सरकार बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का दावा करती है, लेकिन धरातल पर स्थिति बिल्कुल अलग है।

इस मामले में बीएमओ डॉ. ओ.पी. प्रसाद ने कहा कि हमारे यहां ओपीडी और आपातकाल में डॉक्टर रहते हैं। अगर कोई डॉक्टर नहीं मिले तो दूसरा डॉक्टर उपचार कर देता है। 108 की सुविधा उपलब्ध है, शायद कहीं और चली गई होगी। स्टाफ नर्स रोस्टर के हिसाब से लगती हैं, प्रत्येक शिफ्ट में दो नर्स रहती हैं। वहीं सीएमएचओ डॉ. पी.एस. मार्को ने मामले की जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

आईटीआई में अप्रेंटिसशिप मेला कल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अंबिकापुर के प्राचार्य ने बताया कि, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों के लिए 10 अगस्त को प्रात: 11 बजे से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले में जो भी इच्छुक अभ्यर्थी शामिल होना चाहते हैं, वे अपने समस्त दस्तावेज शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता, जाति, निवास, आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं 2 फोटो के साथ निर्धारित तिथि को संस्था में उपस्थित हो सकते है।

आईएमए पिंक विंग का सावन महोत्सव आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सावन की रिमझिम फुहारों के बीच 'आईएमए पिंक विंग सरगुजा' द्वारा सावन महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह रंगारंग कार्यक्रम आज 9 अगस्त को होटल माखन विहार में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुषमा रवि, वाइस चेयरपर्सन आईएमए सरगुजा ने बताया है कि, इस महोत्सव में आईएमए के महिला सदस्य, आईएमए पुरुष चिकित्सकों की अर्धांगिनी, अविवाहित महिला डॉक्टर एवं बच्चे शामिल हो सकते हैं। 'झूले पड़ गए बागों में, आया रुत सावन है' की थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में सावन के पारंपरिक माहौल को जीवंत किया जाएगा।

एचपीसीएल ने मृत सीएसए विद्यावती के स्वजन को दी 20 लाख अनुग्रह राशि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने रिंग रोड स्थित श्री कृपा फ्यूल्स पेट्रोल पंप में कार्यरत कस्टमर सेल्स एग्जीक्यूटिव (सीएसए) विद्यावती टोप्पो की कार्य के दौरान पिछले वर्ष हुई हत्या के लगभग 10 महीने बाद उनके परिजनों को 20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की है। मैनपाट के सैला रिसोर्ट में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में एचपीसीएल के महाप्रबंधक समीर एक्का और मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अर्नब चटर्जी ने मृतका के पिता हीरालाल उरांव तथा माता सुमंती को 20 लाख रुपये का चेक सौंपा। इस अवसर पर महाप्रबंधक समीर एक्का ने कहा कि सीएसए हमारे परिवार का महत्वपूर्ण सदस्य है, जो हर समय और हर परिस्थिति में ड्यूटी करता है। सीएसए के परिवार को यह अनुग्रह राशि पारिवारिक सदस्य की सहायता के रूप में दी जा रही है। कार्यक्रम में मृतका की आत्मा की शांति के लिए मौन धारण कर एचपीसीएल परिवार द्वारा श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र सिंह ने, आभार प्रदर्शन संदीप त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर एचपीसीएल के अधिकारी, नंगे पांव सत्याग्रह के राजेश सिंह सिसोदिया, मृतका की बहन सविता टोप्पो सहित अन्य परिजन, अंबिकापुर विक्रय के डीलर तथा कस्टमर सेल्स एक्जक्यूटिव बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के विरूद्ध कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिए है।

इसी क्रम में लटोरी पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर लटोरी बाजार चौक के पास घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित एक व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम रामकुमार पिता शिवबालक 36 वर्ष निवासी ग्राम पंचायत तुलसी बताया, जिसके कब्जे से 180 एमएल का 35 नग अंग्रेजी शराब कीमत 5250 रुपए का जब्त किया गया।

पूछताछ पर उसने बताया कि शराब दुकान से अंग्रेजी शराब खरीदकर फुटकर बेचने हेतु ले जा रहा था। मामले में अंग्रेजी शराब व मोटर सायकल जब्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट की कार्यवाही की गई है। कार्रवाई में लटोरी चौकी प्रभारी सुनील सिंह, एएसआई मानिकदास, आरक्षक संतोष जायसवाल व सुनील एक्का सक्रिय रहे।

अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस के बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन में ठहराव की मांग को लेकर शनिवार को रेल संघर्ष समिति के नेतृत्व में आंदोलन का शंखनाद किया गया। रेलवे

रेल संघर्ष समिति का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

स्टेशन परिसर में विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। धरने के बाद स्टेशन मास्टर को मंडल रेल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के नाम ज्ञापन सौंपकर ट्रेन क्रमांक 22407-22408 के बिश्रामपुर में ठहराव की मांग की गई। धरना प्रदर्शन शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं गांधीवादी तरीके से आयोजित किया गया, लेकिन वक्ताओं के तेवरों में मांग को लेकर स्पष्ट आक्रोश नजर आया।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वर्षों से क्षेत्र की जनता अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस के ठहराव की मांग कर रही है, लेकिन अब तक रेलवे प्रशासन द्वारा इस दिशा में ठोस पहल नहीं की गई। बिश्रामपुर से रेल मार्ग के जरिए देशभर के विद्युत तापघरों तक कोयले की आपूर्ति होती है। इसके बावजूद दिल्ली और उत्तर भारत के लिए महत्वपूर्ण यात्रियों के लिए दिल्ली और उत्तर भारत की सीधी यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। बिश्रामपुर में ठहराव नहीं होने के कारण यात्रियों को अंबिकापुर या अन्य सुविधा मिलने के साथ रेलवे को भी अतिरिक्त यात्री और राजस्व प्राप्त होगा। ज्ञापन में अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस का बिश्रामपुर रेलवे बल्कि संपूर्ण सरगुजा अंचल और बिश्रामपुर क्षेत्र की वर्षों पुरानी जनभावना एवं जनहित से जुड़ा विषय है। समिति ने रेलवे प्रशासन से सकारात्मक निर्णय ने कहा कि बिश्रामपुर की उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षेत्र की जनता को उसका अधिकार मिलना चाहिए और रेलवे प्रशासन को जनभावना को देखते हुए तत्काल ट्रेन का ठहराव देना चाहिए। धरने का संचालन कांग्रेस नेता नरेंद्र जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अधिवक्ता प्रदीप गर्ग ने किया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिक सतपाल तायल, सज्जन अग्रवाल, राजेंद्र प्रकाश, दलजीत सिंह, केबी सिंह, अशोक गुप्ता, वेदप्रकाश मिश्रा, गगनदीप सिंह बग्गा, गोपाल विद्रोही, विनय पांडेय, रामलाल सोनी, सुनील जैन, दुर्गा गुप्ता, राजेश जैन, अशोक जिंदल, जतिन तायल, धनवीर सिंह खेड़ा, मोंटी खेड़ा, हनुमान राही, प्रेमजीत सिंह, सजल मित्रा, शंकर यादव, धर्मेंद्र सिंह डीके, लखनलाल कुर्रे, राहुल सिंघल, संजय चौधरी, प्रिंस प्रसाद, वीरेश सिंह, अविनाश शहवाल, शाहरुख खान, विजय शर्मा, विवेक जायसवाल, पार्षद मनी बग्गा, मंजू गोयल, प्रमिला साहू, पूर्णिमा डे सहित अन्य उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने चेतावनी दी कि मांग की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन को और व्यापक करते हुए उग्र आंदोलन किया जाएगा। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अजय गोयल समेत वक्ताओं ने कहा कि बिश्रामपुर महज एक रेलवे स्टेशन नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण कोयला नगरी है। यहां एसईसीएल से जुड़े हजारों अधिकारी-कर्मचारी और श्रमिक निवास करते हैं। अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस का यहां ठहराव नहीं होना क्षेत्र की जनता के साथ अन्याय है। बीएमएस नेता सुजीत सिंह, एटक नेता पंकज गर्ग, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव, कांग्रेस नेता नरेंद्र जैन, दीप्ति स्वाई, रचना सिंह एवं अधिवक्ता प्रदीप गर्ग सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस सरगुजा अंचल के स्टेशन तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च करना पड़ता है।वक्ताओं ने कहा कि सरगुजा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। बिश्रामपुर के आसपास दर्जनों गांव हैं, जहां बड़ी संख्या में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार निवास करते हैं। दिल्ली की यात्रा के लिए उनके पास यह ट्रेन सबसे सुविधाजनक विकल्प है। बिश्रामपुर में ठहराव होने से क्षेत्र के यात्रियों को स्टेशन पर ठहराव तत्काल स्वीकृत करने की मांग की गई है। साथ ही आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर आदेश जारी करने तथा निर्णय होने तक इस मांग पर रेलवे प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई की जानकारी रेल संघर्ष समिति को उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। रेल संघर्ष समिति ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत हित से जुड़ा नहीं है, की उम्मीद जताई है। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उचित समयावधि में ठहराव को लेकर निर्णय नहीं लिया गया तो लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आंदोलन के अगले चरण की घोषणा की जाएगी। धरना प्रदर्शन के दौरान उपस्थित लोगों ने अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस के बिश्रामपुर में ठहराव की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारियों

नवांकुर योजना से निखरेगी नौनिहालों की प्रतिभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा हेतु कक्षा 5 वीं के बच्चों के लिए बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सुरजपुर बीईओ द्वारा नवांकुर-एक कदम शिखर की ओर मार्गदर्शन योजना प्रारंभ की जा रही है। यह योजना कलेक्टर रैना जमील व डीईओ के निर्देश पर संचालित होगी। कन्या विश्रामपुर सहित सूरजपुर विकासखंड में 25 केंद्र संचालित है। बीईओ हरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इसके तहत प्रत्येक संकुल में न्यूनतम एक नवांकुर मार्गदर्शन केंद्र स्थापित किया जाएगा। जिस विद्यालय से नवोदय प्रवेश परीक्षा के लिए अधिक विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ है, उसे प्राथमिकता से मार्गदर्शन केंद्र बनाया जाएगा। प्रत्येक केंद्र के लिए संकुल समन्वयक नोडल अधिकारी होंगे तथा दक्ष एवं इच्छुक शिक्षकों की टीम

विद्यार्थियों को नियमित मार्गदर्शन प्रदान करेगी। मार्गदर्शन केंद्रों में विद्यार्थियों को मानसिक योग्यता, अंकगणित, भाषा एवं पर्यावरण अध्ययन से संबंधित प्रश्नों का नियमित अभ्यास कराया जाएगा। साथ ही साप्ताहिक अभ्यास एवं मॉक टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों की तैयारी का आकलन किया जाएगा।

विद्यार्थियों की उपस्थिति, प्रगति एवं टेस्ट परिणाम का संकुल स्तर पर अभिलेख संधारित किया जाएगा। अपेक्षाकृत कम शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त अभ्यास एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन की व्यवस्था की जाएगी।उन्होंने बताया कि नवांकुर योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति रुचि विकसित करने, उनकी प्रतिभा को निखारने तथा उन्हें बेहतर शैक्षिक अवसरों के लिए तैयार करना है।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जयनगर टीम ने 2-0 से जीता मैच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के एकता स्टेडियम में स्कूली अंडर-18 बच्चों का न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के आज सातवें दिन के पहले मैच में कार्मेल कान्वेंट हिंदी मीडियम विश्रामपुर और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जयनगर के बीच खेला गया, जिसमें जयनगर 2-0से मैच जीत लिया। मैच के मुख्य

अतिथि कांग्रेस नेता नरेंद्र जैन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में व्यवसायी व सीनियर क्रिकेट खिलाड़ी धनबीर खेड़ा व गौ सेवा समिति के जिलाध्यक्ष विजय शर्मा उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के आयोजक राजेश जैन खिलाड़ियों व कमेटी का दर्शकों का उत्साहवर्धन करते हुए बेस्ट दर्शक को टी-शर्ट देकर सम्मानित किया। आज का दूसरा मैच भटगांव और कंदरई के बीच गया।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में नो बैग डे दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में शनिवार को नो बैग डे दिवस पर गतिविधि आधारित शिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण आधारित निबंध, चित्रकारी तथा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कौशिल्या राजवाड़े अध्यक्ष एसएमसी रहीं। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण आधारित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पायल राजवाड़े, द्वितीय शिवम विश्वकर्मा, तृतीय वर्षा राजवाड़े, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम नगीना यादव एवं सरस्वती राजवाड़े, द्वितीय शांति सिंह एवं निशा तथा तृतीय विनीता राजवाड़े एवं प्रतिमा विश्वकर्मा रहे, विदित हो कि आज की रंगोली प्रतियोगिता पुष्प आधारित थी। चित्रकारी प्रतियोगिता में प्रथम शांति सिंह, द्वितीय धनेश्वर सारथी तथा तृतीय रिया राजवाड़े रहे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को कॉपी देकर पुरस्कृत किया गया तो वहीं सांत्वना पुरस्कार में पेन देकर हेमलता सिंह, विवेक विश्वकर्मा, संगीता यादव, रीतु राजवाड़े, कविता, रिया देवांगन, वंदना राजवाड़े, प्रतिमा विश्वकर्मा, मनीता, रविंद्र सिंह, पूरब सारथी, आराधना राजवाड़े, रिया विश्वकर्मा, अमन राजवाड़े तथा जानवी की हौसला अफजाई की गई। कार्यक्रम में संस्था की पौधारोपण तथा ड्रॉप आउट प्रभारी शिक्षिका एम. टोप्पो, शिक्षक रिजवान अंसारी, वर्षा राजवाड़े अध्यक्ष ईको एवं यूथ क्लब तथा सदस्य दीपक राजवाड़े, खुशी, रिया, निशा राजवाड़े, सुनीता सिंह, कैलाश, संध्या, घरभरन राजवाड़े, कुश देवांगन सक्रिय रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल में सीटी एवं एआई पर एक दिवसीय कार्यशाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल विश्रामपुर में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली के तत्वावधान में आज सूरजपुर जिला के सीबीएसई स्कूलों के विविध विषयों के अध्यापक-अध्यापिकाओं के लिए कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर जिला स्तरीय एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य तार्किक कौशल, व्यावसायिक विकास एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से शिक्षक शिक्षिकाओं को अवगत करा कर उन्हें जिम्मेदार और वैश्विक नागरिक के रूप में विकसित करना है। कार्यशाला में आयोजक डीएवी स्कूल बिश्रामपुर, डीएवी भटगांव, डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कालामांजन, मॉडल कॉन्वेंट स्कूल कल्याणपुर, साधुराम विद्यामंदिर सूरजपुर, एकलव्य स्कूल प्रतापपुर, एकलव्य स्कूल शिवप्रसादनगर, ग्लोबल पब्लिक स्कूल सूरजपुर, एकलव्य स्कूल ओड़गी, अचीवर्स स्कूल, एवीएम गोंदा, एकलव्य स्कूल प्रेमनगर आत्मानंद स्कूल एवं माउंट लिटरा स्कूल के अलग अलग विषयों के 38 अध्यापक-अध्यापिकाएं सम्मिलित होकर फाउंडेशन ऑफ कंप्यूटेशनल थिंकिंग एंडएआई रेडीनेस, फ्राम प्ले टू ऑब्स्ट्रैक्शन प्रोग्रेसिव पेडागोगी फॉर कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, मैथेमेटिक्स एस द कंप्यूटर कॉर्नरस्टोन ऑफ कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एंड एआई रेडीनेस, इंटर डिसिप्लिनरी कनेक्शंस, सीटी अक्रॉस सब्जेक्ट एट मिडिल स्टेज, एआई इन रियल वर्ल्ड कॉन्टेक्स्ट, असेसमेंट एंड पेडागोगी इन सीटी एंड एआई, एथिक्स एंड रेस्पॉन्सिबल यूज ऑफ एआई थीमों पर अपनी प्रस्तुतियां दी।

कार्यशाला की आयोजक विद्यालय की प्राचार्य अनामिका भारती एवं वेन्यू डायरेक्टर द्वारा कार्यशाला के निर्णायक आशीष भट्टाचार्य प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर, चैतन्य परमार प्रोजेक्ट हेड कोड विद्या, अमित तिवारी, पीजीटी कंप्यूटर साइंस, कार्मेल इंग्लिश मीडियम स्कूल को सैंपलिंग प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। अध्यापिका प्रगति दीक्षित कार्यशाला के वेन्यू डायरेक्टर प्राचार्य अनामिका भारती को सैंपलिंग भेंटकर स्वागत किया। कार्यशाला के वेन्यू डायरेक्टर अनामिका भारती ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। शिक्षकों को नवीन तकनीकों से परिचित होकर उनका सार्थक, सुरक्षित एवं जिम्मेदार शैक्षिक उपयोग करना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों के अधिगम को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। ऐसी कार्यशाला से शिक्षकों में विविध कौशलों के विकास के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान भी विकसित होता है। वे स्वयं को संबंधित विषय में अपडेट रख पाते हैं। शिक्षा में गुणात्मक सुधार, बच्चों का सर्वांगीण विकास एवं विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास अत्यावश्यक है। कार्यशाला के निर्णायकों ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक, रचनात्मक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने में तकनीक और एआई की भूमिका, एआई आधारित शिक्षण उपकरणों, डिजिटल संसाधनों, पाठ योजना निर्माण, शिक्षण सामग्री तैयार करने, प्रश्न निर्माण, मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों की सीखने की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी साधनों के उपयोग आदि बिंदुओं पर जानकारी प्रदान की। प्रतिभागी शिक्षकों ने उपर्युक्त थीमों पर अपनी सक्रिय भागीदारी प्रदर्शित करते हुए तकनीकी उपकरणों के प्रयोग का अभ्यास किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण कार्यशाला को ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं भविष्य की शिक्षा के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। प्रशिक्षण कार्यशाला ने शिक्षकों को बदलते शैक्षिक परिवेश के अनुरूप स्वयं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। मंच संचालन अध्यापिका प्रगति दीक्षित व अध्यापक रितेश सिन्हा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षक ममता सिंह एवं दीपक वासवानी व अन्य सक्रिय रहे।

बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस और मालवाहक वाहन में सवारी ढोने पर हुई चालानी कार्यवाही

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जन सुरक्षा के दृष्टिगत कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिले में यातायात नियमों के पालन को लेकर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और वाहन चालकों में नियमों के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी कड़ी में परिवहन विभाग द्वारा विकासखंड रामचंद्रपुर के विजयनगर क्षेत्र में विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। जांच के दौरान एक ऑटो रिक्शा चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस का अभाव तथा वाहन के फिटनेस संबंधी दस्तावेज भी अधूरे पाए गए, जिस पर मोटरयान अधिनियम के तहत चालक पर 1,000 रुपये का चालान किया गया।

जांच के दौरान एक मालवाहक पिकअप वाहन में नियमों के विपरीत सवारियों का परिवहन करते हुए पाया गया, जिस पर संबंधित चालक पर 3,000 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही उसे भविष्य में मालवाहक वाहन में सवारियों का परिवहन नहीं करने की सख्त हिदायत देते हुए यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। उन्हें बताया गया कि मालवाहक वाहनों में सवारियों का परिवहन न केवल मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जनहानि का बड़ा कारण भी बन सकता है। प्रशासन ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, वाहन के आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें, वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाएं तथा मालवाहक वाहनों में सवारियों का परिवहन करने से बचें।

गुजरात में छत्तीसगढ़ पर्यटन की दमदार दस्तक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पर्यटन विकास, अधोसंरचना विस्तार और व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा राज्य के प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं रोमांचक पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुजरात के गांधीनगर में 6 से 8 अगस्त तक आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की प्रभावी सहभागिता राज्य की पर्यटन संभावनाओं को देशभर के पर्यटन बाजार तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बनी है। देश के विभिन्न प्रमुख शहरों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन प्रचार आयोजनों के माध्यम से पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने वाली संस्था फेयर फेस्ट मीडिया द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण पर्यटन मेले में छत्तीसगढ़ की समृद्ध पर्यटन विरासत को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय एवं सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जलप्रपातों, वन क्षेत्रों और रोमांचक पर्यटन स्थलों की जानकारी देशभर से पहुंचे पर्यटन व्यवसायियों एवं प्रतिनिधियों तक पहुंचाई जा रही है।

26 पर्यटन व्यवसायियों के साथ छत्तीसगढ़ की प्रभावी सहभागिता

ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ पंजीकृत 26 ट्रैवल एजेंट एवं होटल व्यवसायियों ने भी सहभागिता की है। इससे छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को पर्यटन उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधियों के समक्ष सीधे प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे यात्रा संचालकों, ट्रैवल एजेंटों, होटल व्यवसायियों तथा पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ पवेलियन का निरंतर भ्रमण किया जा रहा है। आगंतुकों को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों, पर्यटन सुविधाओं, भ्रमण की संभावनाओं तथा विभिन्न पर्यटन गंतव्यों की विशेषताओं की जानकारी दी जा रही है।

100 वर्ग मीटर में सजा आकर्षक छत्तीसगढ़ पवेलियन

छत्तीसगढ़ की पर्यटन क्षमता को प्रभावी और आकर्षक तरीके से प्रदर्शित करने के साथ ही राज्य के साथ गए पर्यटन व्यवसायियों के लिए बेहतर बैठक एवं व्यावसायिक संवाद की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 100 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में आकर्षक छत्तीसगढ़ पवेलियन तैयार कराया गया है। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत, प्रमुख पर्यटन स्थलों और पर्यटन की विविध संभावनाओं को आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया है। पवेलियन में पहुंच रहे पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की जानकारी के साथ यहां उपलब्ध पर्यटन सुविधाओं और भ्रमण की संभावनाओं से भी अवगत कराया जा रहा है।

नए पर्यटन व्यवसायी छत्तीसगढ़ से जुड़ने के लिए दिखा रहे रुचि

टीटीएफ गांधीनगर में छत्तीसगढ़ की सहभागिता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ पवेलियन में बड़ी संख्या में नए ट्रैवल एजेंट, यात्रा संचालक एवं पर्यटन व्यवसायी पहुंच रहे हैं और राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रति विशेष रुचि व्यक्त कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के पर्यटन प्रचार-प्रसार और पवेलियन की आकर्षक प्रस्तुति की सराहना करते हुए अनेक नए पर्यटन व्यवसायियों द्वारा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ पंजीयन कराने में रुचि दिखाई जा रही है। इससे देश के विभिन्न हिस्सों से छत्तीसगढ़ आने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन पैकेज एवं यात्रा सुविधाओं के विस्तार के साथ

राज्य के पर्यटन स्थलों को व्यापक राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के विजन को मिल रही नई गति

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की विशिष्ट प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पहचान को पर्यटन विकास की बड़ी ताकत के रूप में आगे बढ़ा रही है। राज्य की जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराएं, ऐतिहासिक धरोहरें, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक पर्यटन स्थल देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनें, इसके लिए पर्यटन क्षेत्र में अधोसंरचना विकास के साथ-साथ व्यापक प्रचार-प्रसार और पर्यटन उद्योग से जुड़े हितधारकों के साथ समन्वय पर जोर दिया जा रहा है। टीटीएफ जैसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में छत्तीसगढ़ की सहभागिता मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय पर्यटन बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे छत्तीसगढ़ की पहचान एक समृद्ध और विविधतापूर्ण पर्यटन गंतव्य के रूप में और अधिक मजबूत हो रही है।

पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में पर्यटन प्रचार को विस्तार

पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन आयोजनों में सहभागिता के माध्यम से राज्य के पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों, ट्रैवल एजेंटों, होटल व्यवसायियों एवं यात्रा संचालकों को छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास से जोड़ने की दिशा में भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। टीटीएफ गांधीनगर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ पंजीकृत 26 पर्यटन व्यवसायियों की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि राज्य के पर्यटन क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे पर्यटन गतिविधियों के विस्तार, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की व्यापक संभावनाएं हैं।

देश के प्रमुख राज्यों की भी रही सहभागिता

गांधीनगर में आयोजित इस भव्य पर्यटन मेले में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और गुजरात पर्यटन के साथ मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, गुजरात, उत्तराखंड, पंजाब और दिल्ली सहित देश के अनेक राज्यों ने सहभागिता की है। एक ही मंच पर देश के विभिन्न राज्यों के पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों के प्रदर्शन से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों को नए पर्यटन गंतव्यों की जानकारी प्राप्त करने तथा व्यावसायिक संभावनाओं को विस्तार देने का अवसर मिल रहा है।

राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की पहचान

छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता को देशभर में पहचान दिलाने के लिए राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन आयोजनों में सहभागिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। टीटीएफ गांधीनगर में छत्तीसगढ़ की प्रभावी मौजूदगी से राज्य के पर्यटन स्थलों को देशभर के पर्यटन व्यवसायियों और संभावित पर्यटकों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर मिला है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन व्यवसायियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार को व्यापक स्वरूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में किए जा रहे इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलने के साथ पर्यटन क्षेत्र में निवेश, रोजगार, स्थानीय व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावनाएं भी मजबूत हो रही हैं। टीटीएफ गांधीनगर में छत्तीसगढ़ की प्रभावी सहभागिता इसी व्यापक पर्यटन दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो राज्य की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि को देश के पर्यटन बाजार से जोड़ते हुए छत्तीसगढ़ को एक आकर्षक, सुरक्षित और विविधतापूर्ण पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

सेन समाज सनातन परंपराओं और सामाजिक समरसता का मजबूत आधार : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सेन समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस समाज ने सदियों से भारतीय समाज की सामाजिक व्यवस्था, संस्कारों और समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत रत्न जननायक श्री कपूर्री ठाकुर जैसे महान नेता का इस समाज से होना पूरे सेन समाज के लिए गौरव की बात है। सेन समाज केवल अपनी पारंपरिक सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जन्म से लेकर विवाह और मृत्यु तक समाज के प्रत्येक संस्कार में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह समाज सनातन परंपराओं और संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित सेन शक्ति सम्मेलन एवं केश शिल्पी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सेन समाज को सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेन समाज के कल्याण के लिए केश शिल्पी कल्याण बोर्ड का गठन पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुआ था। उन्होंने कहा कि सेन समाज और अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उस समय अनेक महत्वपूर्ण पहल की गईं। सैलून संचालन के लिए सेन समाज के लोगों को किट, कुम्हारों को बैटरी चलित चाक और बढ़ई समाज के लोगों को कारपेंट्री किट देने की शुरूआत भी इसी दिशा में की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेन समाज की आज की आवश्यकताओं और मांगों पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर नया रायपुर में चौक का नामकरण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर नया रायपुर में चौक का नामकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नामकरण के लिए कमेटी बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने सेन समाज के विकास और कल्याण के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

कपूर्री ठाकुर के आदर्शों को आगे बढ़ा रहा सेन समाज

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुनर और प्रतिभा का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर वंचित वर्गों के अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक रहे हैं। आज उनके सुपुत्र श्री रामनाथ ठाकुर केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी सेन समाज से विधायक श्री रिकेश सेन और छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन समाज की सेवा और प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब केश शिल्प कल्याण बोर्ड को युवा नेतृत्व मिला है, निश्चित रूप श्री गौरी शंकर श्रीवास के नेतृत्व में सेन समाज को आगे बढ़ाने का काम तेजी से होगा।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अनुरूप हो रहा विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर वर्ग को आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से पारंपरिक हुनर और छोटे-छोटे

व्यवसायों से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता, ऋण और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को भी सम्मानित कर रहे हैं, जिन्होंने ग्रामीण और सामान्य परिवेश में रहकर उत्कृष्ट कार्य किया है। इससे देश में हुनर और श्रम के प्रति सम्मान की भावना मजबूत हुई है।

ढाई साल में मोदी की गारंटी के अधिकांश वादे पूरे किए

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पिछले ढाई वर्षों में विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को पूरा करने का काम तेजी से किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 18 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं और प्रतिदिन लगभग 1500 से 1600 मकानों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है और किसानों से किए गए वादों को भी पूरा किया गया है। प्रदेश में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की जा रही है और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदा जा रहा है। दो वर्षों का बकाया धान बोनस भी किसानों को दिया गया है।

70 लाख माताओं-बहनों को हर माह मिल रहा महतारी वंदन का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 70 लाख माताओं-बहनों के खातों में हर महीने 1000 रुपए की राशि भेजी जा रही है। ढाई वर्षों में इस योजना के माध्यम से 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश की माताएं-बहनें आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया रामलला का दर्शन

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को भी पुनः शुरू किया गया है। प्रदेश के बुजुर्ग माता-पिता की तीर्थ यात्रा की इच्छा को पूरा करने के लिए सरकार अपने खर्च पर उन्हें देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करा रही है।

भूमिहीन कृषि मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपए की सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए पारिश्रमिक में वृद्धि की गई है और चरण पादुका योजना को पुनः शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विभागों में 20 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जा चुकी है। पुलिस, बिजली और सहकारिता सहित विभिन्न विभागों में रोजगार के अवसर दिए गए हैं। शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। नई उद्योग नीति के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश को अब तक 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं और अनेक क्षेत्रों में काम शुरू हो गया है।

समाज के पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने सेन समाज के पदाधिकारियों और सामाजिक प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के पात्र लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि समाज के जो बेटे-बेटियां किसी योजना के लिए पात्र हैं, उन्हें उसका लाभ दिलाने में समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

बिजली बिल समाधान योजना का लाभ लेने की अपील

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में बिजली बिलों का भुगतान नहीं होने के कारण कई परिवारों पर एक साथ बड़ी राशि का बिल आ गया है। ऐसे उपभोक्ताओं के लिए मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना लागू की गई है। इसके तहत पंजीयन कराने पर पात्र उपभोक्ताओं को बिजली बिल में बड़ी राहत दी जा रही है तथा सरचार्ज आदि भी माफ किया जा रहा है। उन्होंने पात्र लोगों से योजना का लाभ लेने की अपील की।

80 हजार घरों में लग चुके हैं सोलर सिस्टम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से प्रदेश में घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगाने का काम तेजी से चल रहा है। प्रदेश में अब तक लगभग 80 हजार घरों में सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं, जिनमें करीब 40 हजार घरों में बिजली बिल शून्य आ रहा है। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने का आग्रह किया।

सेवा सेतु से घर बैठे मिल रही 700 से अधिक सेवाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने नागरिकों की सुविधा के लिए सेवा सेतु शुरू किया है। इसमें 36 विभागों की 700 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। नागरिक घर बैठे मोबाइल के माध्यम से जाति, आय, निवास सहित विभिन्न प्रमाण पत्रों और अन्य सेवाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से सीधे दर्ज करा सकते हैं शिकायत

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 शुरू की गई है। इसके माध्यम से लोग घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि तहसीलदार, इंजीनियर, थाना प्रभारी से लेकर सचिव स्तर तक के लगभग 8 हजार अधिकारी इस व्यवस्था से जुड़े हैं। शिकायतों के समाधान के लिए एल-1, एल-2, एल-3 और एल-4 स्तर पर व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि अब लोगों को अपनी समस्या के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सेन समाज के लिए श्री गौरीशंकर श्रीवास का चयन कर बहुत सही निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि संघर्ष का दूसरा नाम गौरीशंकर श्रीवास है। वे लगातार समाज के लिए कार्य कर रहे हैं और समाज को आगे बढ़ाने की ललक उनके भीतर है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि विधायक श्री रिकेश सेन भी विधानसभा में सेन समाज और समाज के विभिन्न विषयों को सक्रियता के साथ उठाते हैं। उन्होंने कहा कि सेन समाज हजारों वर्षों से गांव और सामाजिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण धुरी रहा है। जन्म, विवाह और मृत्यु सहित जीवन के प्रत्येक संस्कार में सेन समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सेन समाज के लोग केवल सेवा करने वाले नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा माने जाते हैं और समाज में उनका गहरा विश्वास और संबंध रहा है। उन्होंने भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर को वंचित वर्गों के संघर्ष का बड़ा प्रतीक बताते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व में विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सेन शक्ति सम्मेलन सामाजिक एकता और समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सेन समाज के कौशल विकास के लिए कौशल विकास विभाग के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने समाज के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे आवश्यकतानुसार नए ट्रेड और प्रशिक्षण को जोड़ने के सुझाव दें, ताकि समाज के युवाओं को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें। छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री गौरीशंकर श्रीवास ने कहा कि आज का दिन सेन समाज के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने केश शिल्पी कल्याण बोर्ड का गठन कर इसे सेन समाज को समर्पित किया था और अब मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बोर्ड को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सेन समाज के लोगों ने निस्वार्थ भाव से सेवा की। उन्होंने समाज के उत्थान और कल्याण से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने सेन समाज प्रदेश भर से आए प्रशिक्षित युवाओं को किट वितरण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक श्री रिकेश सेन, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री गौरीशंकर श्रीवास, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेंद्र साहू, रजकाकार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक, खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, कपूर्री ठाकुर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुवीर श्रीवास, संचालक समाज कल्याण श्री रणबीर शर्मा सहित बड़ी संख्या में सेन समाज के प्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित थे।

सम्पादकीय

भारतीय कानून का सम्मान करें सोशल मीडिया कंपनियां

किसी लोकतंत्र में यह अधिकार किसके पास होना चाहिए कि कौन-सी आवाज करोड़ों लोगों तक पहुंचे और कौन-सी नहीं? जनता के पास, संविधान के पास, कानून के पास या फिर कैलिफोर्निया में बैठे किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिद्म के पास? पिछले कुछ दिनों से भारत सरकार और मेटा के बीच चल रहा टकराव इसी मूल प्रश्न के इर्द-गिर्द घूम रहा है। खासकर कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने पैसे लेकर जिस तरह से खास तरह के कंटेंट को असामान्य रूप से बढ़ावा दिया, जबकि दूसरी तरह के कंटेंट की पहुंच सीमित रही, उसने सरकार के कान खड़े कर दिए हैं। इन आरोपों के पक्ष या विपक्ष में अभी कोई सार्वजनिक तकनीकी जांच सामने नहीं आई है, लेकिन इतना जरूर हुआ कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निष्पक्षता पर बहस तेज हो गई है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फेसबुक अकाउंट से पोस्ट किया गया वीडियो कई घंटों के लिए हटा दिया गया। मेटा ने इसे तकनीकी भूल बताते हुए सार्वजनिक माफी भी मांग ली। लेकिन क्या केवल माफी इस पूरे विवाद का समाधान है? शायद नहीं। यही वजह है कि पिछले दो दिनों से मेटा की वैश्विक टीम भारत में डेरा डाले हुए है। गुरुवार को भी सरकार के साथ उसकी लंबी बैठकों का दौर जारी रहा। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कंपनी के अधिकारियों से मुलाकात की। सरकार ने सिर्फ प्रधानमंत्री का वीडियो हटने का कारण नहीं पूछा, बल्कि उससे कहीं बड़े सवाल सामने रख दिए हैं। मेटा के एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं? कंटेंट मॉडरेशन का आधार क्या है? भारतीय कानूनों का पालन कैसे सुनिश्चित होता है? डीपफेक और बाल यौन शोषण सामग्री जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने की व्यवस्था क्या है? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या मेटा वास्तव में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा का हकदार है? ये सवाल केवल मेटा से नहीं हैं। ये हर उस वैश्विक डिजिटल कंपनी से हैं जिसने भारत में करोड़ों उपयोगकर्ता तो बना लिए, लेकिन जवाबदेही के मामले में अक्सर अपनी वैश्विक नीतियों की आड़ लेती रही है। दरअसल, पिछले एक दशक में सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा। यह राजनीति, चुनाव, सामाजिक आंदोलनों, व्यापार और जनमत निर्माण का प्रभावशाली मंच बन चुका है। पहले यह काम अखबारों और टीवी चैनलों के संपादक करते थे। आज यह जिम्मेदारी एल्गोरिद्म निभा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अखबार का संपादक सामने दिखाई देता था, उसकी जवाबदेही तय होती थी। एल्गोरिद्म अदृश्य है। वह किस आधार पर निर्णय लेता है, किसे ऊपर लाता है और किसे नीचे धकेल देता है, यह किसी को पता नहीं। यही अपारदर्शिता सबसे बड़ी चिंता है। भारत सरकार का यह कहना बिल्कुल उचित है कि भारत में कारोबार करने वाली किसी भी कंपनी को भारतीय कानूनों के तहत ही काम करना होगा। सरकार की जवाबदेही भी है कि नियमन के नाम पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश न लगे। इसलिए कानून का उद्देश्य विचारों को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि नियमों को निष्पक्ष और समान रूप से लागू करना होना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र है। यहां कानून संसद बनाती है, जनता सरकार चुनती है और संविधान सर्वोच्च है। इसलिए यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि किसी बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी का एल्गोरिद्म भारतीय लोकतंत्र से बड़ा हो जाए।

आर्थिकी
सतीश सिंह

संतुलन साधती मौद्रिक नीति

केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल न तो ब्याज दरों में जल्दबाज़ी में कटौती की आवश्यकता है और न ही उन्हें बढ़ाने का कोई औचित्य दिखाई देता है। आरबीआई ऐसे समय में अत्यंत संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहता है, जब एक ओर महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आई है और दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत विकास की ओर अग्रसर है। यही कारण है कि केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल न तो ब्याज दरों में जल्दबाज़ी में कटौती की आवश्यकता है और न ही उन्हें बढ़ाने का कोई औचित्य दिखाई देता है। आरबीआई ने स्वीकार किया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई अभी भी उसके लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि महंगाई का प्रमुख स्रोत मांग में अत्यधिक वृद्धि नहीं, बल्कि खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

यही कारण है कि केंद्रीय बैंक कोर महंगाई को लेकर अपेक्षाकृत आश्वस्त दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आरबीआई ने खुदरा महंगाई के औसत अनुमान को 5 प्रतिशत पर रखा है। उसके तिमाही अनुमानों के अनुसार दूसरी तिमाही में महंगाई 4.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 5.5 प्रतिशत रह सकती है। यह अनुमान बताता है कि आरबीआई खाद्य एवं आपूर्ति पक्ष से उत्पन्न दबावों को अस्थायी मान रहा है और उसे उम्मीद है कि समय के साथ इनमें नरमी आएगी। महंगाई को लेकर सतर्क रुख के बावजूद आरबीआई आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर पहले की तुलना में अधिक आशावाद है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तिमाही आधार पर पहली तिमाही में 7 प्रतिशत, दूसरी में 6.4 प्रतिशत, तीसरी में 6.5 प्रतिशत और चौथी में 6.8 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान यह दर्शाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अभी भी संतोषजनक बनी हुई है। इस आशावाद के पीछे कई ठोस कारण हैं। विनिर्माण क्षेत्र के शुरुआती संकेत उत्साहजनक हैं, सेवा क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है, निजी उपभोग मजबूत बना हुआ है तथा विवेकाधीन खर्च में भी सुधार देखा जा रहा है। सार्वजनिक निवेश और अवसंरचना परियोजनाओं का प्रभाव भी आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहा है। ऐसे परिदृश्य में ब्याज दरों में अनावश्यक बदलाव की आवश्यकता नहीं है। रेपो दर के साथ-साथ स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) एवं बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर भी अपरिवर्तित रखी गई हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि केंद्रीय बैंक मौद्रिक ढांचे में किसी बड़े परिवर्तन का इच्छुक नहीं है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसका 'न्यूट्रल' नीति रुख है।

इसका अर्थ यह है कि आरबीआई किसी पूर्वनिर्धारित दिशा में नहीं बढ़ रहा, बल्कि आने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की रणनीति पर कायम है। हालांकि रेपो दर में कोई बदलाव

नहीं किया गया, फिर भी आरबीआई ने यह संकेत दिया है कि यदि आवश्यकता हुई तो बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाए रखने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कमी, ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) अथवा अन्य उपयुक्त साधनों का उपयोग किया जा सकता है। फिलहाल केंद्रीय बैंक का आकलन है कि बैंकिंग प्रणाली में धन की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी अतिरिक्त प्रोत्साहन की तत्काल आवश्यकता नहीं है। पिछले कुछ महीनों के दौरान मनी मार्केट दरों और सरकारी प्रतिभूतियों की प्रतिफल दरों में नरमी आई है। यह संकेत है कि बैंकिंग प्रणाली में तरलता पहले की तुलना में अधिक सुलभ हुई है।

साथ ही उद्योग, सेवा और खुदरा- तीनों क्षेत्रों में ऋण मांग संतोषजनक बनी हुई है। यद्यपि जमा और ऋण दरों के बीच अंतर घटने से कुछ बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) पर दबाव देखा गया है, फिर भी बैंकिंग प्रणाली की समग्र वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है। इसका अर्थ है कि बैंकों के पास ऋण उपलब्ध कराने की क्षमता बनी हुई है और अर्थव्यवस्था में धन प्रवाह फिलहाल संतुलित है। आरबीआई की सतर्कता का सबसे महत्वपूर्ण कारण वैश्विक आर्थिक वातावरण है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार नीतियों में अनिश्चितता, विकसित अर्थव्यवस्थाओं की मौद्रिक नीतियां तथा जलवायु संबंधी जोखिम- विशेषकर अल नीनो- आने वाले महीनों में महंगाई और विकास, दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। ऐसे में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि होतीहै, तो उसका सीधा असर घरेलू महंगाई, चालू खाते के घाटे और राजकोषीय संतुलन पर पड़ेगा। फिलहाल होम लोन, ऑटो लोन तथा अन्य फ्लोटिंग ब्याज दर वाले ऋणों की मासिक किस्तों (ईएमआई) में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसी प्रकार सावधि जमा पर ब्याज दरों में भी तत्काल व्यापक परिवर्तन की उम्मीद कम है। उद्योग जगत के लिए राहत की बात यह है कि ऋण उपलब्धता बनी रहेगी और बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कोई गंभीर कमी नहीं है। निवेशकों के लिए भी यह नीति अपेक्षाकृत स्थिर ब्याज दर वातावरण का संकेत देती है, जिससे पूंजी बाजारों में अनिश्चितता सीमित रह सकती है। अगस्त 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा यह स्पष्ट करती है कि आरबीआई ने महंगाई नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि और वित्तीय स्थिरता-इन तीनों उद्देश्यों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है। एक ओर उसने विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती पर भरोसा जताया है, वहीं दूसरी ओर संभावित महंगाई जोखिमों को देखते हुए ब्याज दरों में कटौती से परहेज किया है। साथ ही पर्याप्त तरलता बनाए रखने का आश्वासन देकर उसने बैंकिंग प्रणाली को विश्वास भी दिया है, किंतु अतिरिक्त नकदी प्रवाह से बचकर मौद्रिक अनुशासन को भी कायम रखा है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह नीति न तो अत्यधिक उदार कही जा सकती है और न ही अनावश्यक रूप से कठोर। यह ऐसी संतुलित रणनीति है, जिसमें अल्पकालिक लोकप्रियता के बजाय दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है। यदि आने वाले महीनों में महंगाई अनुमानित दिशा में घटती है, खाद्य आपूर्ति सामान्य रहती है और वैश्विक जोखिम नियंत्रित होते हैं, तो आरबीआई के पास भविष्य में अधिक अनुकूल नीतिगत कदम उठाने की पर्याप्त गुंजाइश होगी।

प्रतिभा
शीतल देवी

खेलो इंडिया योजना से नई प्रतिभाओं को मिलेगा मौका

आज मुझे एक पैरालंपिक पदक विजेता के रूप में जो पहचान और सम्मान मिला है, उसके पीछे कई वर्षों की मेहनत और सही दिशा में आया सहयोग है। मैं कभी जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ की एक साधारण बच्ची थी। अच्छी कोचिंग और हर तरह का सहयोग मिलने से ही मैं आज इस मुकाम तक पहुंच सकी। मेरी कहानी प्रेरणादायक है, लेकिन देश के कई दूर-दराज गांवों में आज भी मेरे जैसे कई प्रतिभाशाली दिव्यांग बच्चे हैं, जिन्हें यह तक नहीं पता कि पैरा खेल भी होते हैं। उनके पास प्रतिभा है, लेकिन उन्हें अवसर नहीं मिलते। मुझे यह अवसर मिला, इसलिए मैं आगे बढ़ सकी। देश के गांवों और छोटे शहरों में हजारों दिव्यांग बच्चे हैं, जिनमें खेलों की शानदार प्रतिभा है, लेकिन उनमें से कई कभी सामने नहीं आ पाते। कुछ को यह नहीं पता कि प्रशिक्षण कहां मिलेगा और कुछ को ऐसा कोच नहीं मिलता जो पैरा खेलों की समझ रखता हो। इसलिए मुझे लगता है कि सरकार की नई संशोधित खेलो इंडिया योजना खासकर पैरा खेलों के लिए बड़ा बदलाव ला सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच पर आधारित इस पांच साल की योजना पर 29,054 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इसमें प्रतिभाओं की पहचान, कोच और सहयोगी स्टाफ तैयार करना, खेल सुविधाएं बढ़ाना और खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देना शामिल है। लेकिन इस योजना की सफलता तभी होगी, जब राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश भी पूरी लगन से इसे लागू करेंगे। मुझे अपने कोचों, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), सरकार और कई अन्य लोगों का पूरा सहयोग मिला। मेरी तैयारी में कभी किसी जरूरी चीज़ की कमी नहीं रही। इसी वजह से मुझे बड़े सपने देखने और दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों से मुकाबला करने का आत्मविश्वास मिला। लेकिन ऐसा सिर्फ मेरे साथ नहीं होना चाहिए। देश के हर प्रतिभाशाली बच्चे को यही मौका मिलना चाहिए। मुझे खुशी है कि नई खेलो इंडिया योजना में पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण केंद्रों और मान्यता प्राप्त अकादमियों को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया है। हर बच्चा प्रशिक्षण लेने के लिए सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा नहीं कर सकता।

आज भी कई प्रतिभाशाली बच्चे सिर्फ इसलिए गांवों में रह जाते हैं क्योंकि उनके आसपास अच्छी खेल सुविधाएं नहीं हैं। अगर उनके घर के पास ही अच्छी अकादमी, प्रशिक्षित कोच और बेहतर खेल सुविधाएं होंगी, तो परिवार भी उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इस योजना की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कम उम्र में ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने पर जोर दिया गया है। पैरा खेलो इंडिया एथलीट और इमर्जिंग खेलो इंडिया एथलीट जैसी नई व्यवस्था से बच्चों को शुरुआत से ही सही मार्गदर्शन और सहयोग मिलेगा। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए शुरुआती पहचान बहुत जरूरी है। कई बच्चे देर से खेल शुरू करते हैं क्योंकि उन्हें जानकारी, कोचिंग या अवसर नहीं मिलते। अगर उन्हें समय रहते पहचानकर लगातार सहयोग दिया जाए, तो वे भी बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। नई योजना में पैरा खेलों के लिए विशेष अकादमियां और प्रशिक्षण केंद्र बनाने पर भी जोर दिया गया है। किसी बच्चे को सिर्फ इसलिए अपना घर नहीं छोड़ना चाहिए कि उसे पैरा खेलों को समझने वाला कोच मिल सके। मुझे भी अच्छा सहयोग मिला, इसलिए मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकी। सिर्फ अभ्यास से सब कुछ नहीं सीखा जा सकता। प्रतियोगिताओं में खेलने से खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ता है और प्रदर्शन बेहतर होता है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स के विस्तार से अब ज्यादा खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में खेलने का मौका मिलेगा। मैंने भी इन खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है।

यहां देश की बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का मंच मिलता है। इस योजना की असली सफलता सिर्फ पदकों की संख्या से नहीं मापी जाएगी। इसकी सबसे बड़ी सफलता तब होगी, जब देश के ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग बच्चे यह विश्वास करने लगेंगे कि खेलों में उनका भी भविष्य है। यही विश्वास हर बड़े खिलाड़ी की शुरुआत होता है। मेरा मानना है कि खेलो इंडिया योजना की सबसे बड़ी सफलता उस दिन होगी, जब भारत के हर जिले, हर गांव और हर कोने से दिव्यांग बच्चे पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलों में आएंगे, क्योंकि उन्हें पता होगा कि अब उनके लिए आगे बढ़ने का रास्ता तैयार है।

(लेखिका कंपाउंड तीरंदाज, पैरालंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं, ये उनके अपने विचार हैं)

गुरु बिना न भक्ति सार्थक और न मुक्ति संभव

कागा सब तन खाइयो, चुनि चुनि खाइयो मांस। दुइ अखियां मत खाइयो, मोहे पिया मिलन की आस।।

इश्क हकीकी हो या इश्क मिजाजी, यह इश्क का चरम है। इश्क के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दें, तो भी थोड़ा है, कम है। इतिहास गवाह है कि इश्क करने वालों ने मरना कबूल किया, पर इश्क से मुंह मोडना मंजूर नहीं किया। सांसारिक प्रेम के दीवाने हों या फिर रब्बी इश्क के मतवाले। खुदा की खोज स्वयं की खोज है। इसलिए स्वयं को स्वयं तक पहुंचने के लिए जरूरत होती है पूर्ण सद्गुरु और सच्चे रहबर तक पहुंचने की। सद्गुरु बेखबर इनसान को खबर देते हैं कि ये रहा निरंकार। तुम इसे चाहे कुछ भी नाम दे दो, है ये एक ही। खुदा भी यही, प्रभु भी यही, ऑलमाइटी गॉड भी यही तो वाहेगुरु भी यही। यही महबूब है हर रूह का, जिसे पाने के लिए आत्मा ने जाने कितने जन्म लिए हैं। इसे पाने के बाद ही भक्ति शुरू होती है और इसको जान लेने से ही मुक्ति मिलती है। इसके बिना न भक्ति सार्थक है और न मुक्ति संभव है। सद्गुरु मिलते ही सारे भ्रम-भुलेखे समाप्त हो उठते हैं। प्रेम और इश्क करने वालों के हिस्से तो सजा ही आया करती है। सजा से डरकर वे अपना समर्पण छोड़ नहीं दिया करते। यहां कवि ने ऐसे ही समर्पण को अपनी दो पंक्तियों में इस तरह व्यक्त किया है कि हां, मैंने मोहब्बत की है। यह मेरा गुनाह है तो खुलकर सजा दे दो। मेरे तन की बोटी-बोटी नोच लो, पर ख्याल रहे कि ये आंखें सलामत रहें, इन आंखों को मत छूना क्योंकि ये आंखें पिया की बाट जोह रही हैं।

संकलित
दर्शन

प्रभावी संवाद के लिए संवेदनशीलता जरूरी

प्रभावी संवाद के लिए संवेदनशीलता तथा समझदारी, दोनों गुणों में निपुणता आवश्यक है। कुछ लोग अति संवेदनशील होते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप वे अपनी बुद्धिमता खो देते हैं। उनकी वाणी में अस्पष्टता होती है और उसमें अस्फुटता झलकती है। इसमें आपकी मनःस्थिति का भी योगदान है। आप केवल क्रोध कर के किसी को सधार नहीं सकते। इससे केवल आपके मन की शांति ही भंग होगी। जब आप लोगों से मिलते हो तो प्रायः आप उनसे बुद्धि के स्तर पर ही संवाद करते हो। यही, जब आप प्रकृति के साथ होते हो तो आप स्वतः ही गाना आरंभ कर देते हो तथा प्रकृति के साथ अपने दिल से संवाद स्थापित कर लेते हो। जब आप लोगों के साथ होते हो तो बुद्धि के स्तर पर ही बातचीत अथवा गपशप ही करते रहते हो। किंतु आप यदि प्रकृति के संग हो तो आप गुनगुनाने लगते हो और आपका संवाद दिल से निकलता है। और जब आप गुरु के सान्निध्य में होते हो तो आप खाली हो जाते हो, सभी प्रश्न भूल जाते हो! तब उस मौन में आत्मा के स्तर पर संवाद होता है। संसार में जन्म लेते ही, जैसे ही हम अपनी प्रथम श्वास लेते हैं, हम संवाद करना आरंभ कर देते हैं। हमारा पहला क्रंदन अपनी मां और इस दुनिया से हमारे प्रथम संवाद का द्योतक है कि मैं आ गया हूं। और अपनी अंतिम सांस तक हम निरंतर संवाद करते रहते हैं। तथापि, अच्छे स्तर का संवाद केवल शब्दों से कहीं ऊपर होता है। यह एक कला है और प्रभावी संवाद के लिए, केवल बोले गए शब्द की जगह बहुत से अन्य आयाम होते हैं।

संकलित
प्रेरणा

सटाका

आज की पाती

नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती हो

नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती होना चाहिए। अगर कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पुलिस पकड़ लेती है तो इसके लिए सख्त कानून का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस कानून के तहत लगभग 25 हजार जुर्माना और लगभग तीन साल की सजा का भी प्रावधान है। हालांकि सरकार और प्रशासन इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाए। स्कूलों में इसके लिए बच्चों को जागरूक भी किया जाए और स्कूलों से विद्यार्थियों के माता-पिता को इसके लिए नोटिस भी भेजे जाए कि वो अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न दें। दोपहिया वाहन एक्सीडेंट का आंकड़ा भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। दोपहिया वाहन, मोटरसाइकिल, स्कूटर या फिर एक्टिवा चलाते समय हैलमेट का प्रयोग अपनी जान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है, न कि चालान के डर से। - *रमेश मलिक, हिसार*

ट्रेंड

'गोबरधन' योजना

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 23,731 करोड़ की लागत वाली 'गोबरधन' योजना को मंजूरी देना 'आत्मनिर्भर भारत', स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह फैसला देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। - **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

बीजेपी-स्टाइल

यह बीजेपी-स्टाइल की तरक्की की नई हवा है... जिस सड़क का उद्घाटन कुछ दिन पहले ही हुआ था, उसकी मरम्मत अभी से करनी पड़ रही है और मरम्मत को सुखाने के लिए तेज रफ्तार वाले पंखे इस्तेमाल किए जा रहे हैं- यह भी हंसी की बात है।
-**अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

हम छात्रों के साथ

कांग्रेस पार्टी छात्रों के साथ खड़ी है। चाहे झारखंड हो, पंजाब हो, दिल्ली हो या कोई और जगह, हम अपने छात्रों के साथ मजबूती से खड़े है। चाहे हमारे गठबंधन के साथी हों या विपक्ष, हम छात्रों और युवाओं के साथ खड़े है। हम उनकी समस्याओं को हल करने के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।
- **मल्लिकार्जुन खड़गे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

निष्पक्ष जांच हो

पिछले छह सालों में जेएसएससी द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाएं, जिनमें सीजीएल, उत्कर्ष सिपाही और असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं, उन्हें तुरंत रद्द किया कर उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।
-**बाबूलाल मरांडी,** पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

रानी-प्रिया कपूर विवाद, आपसी सहमति से समझौते की उम्मीद

उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और पत्नी प्रिया कपूर के बीच पारिवारिक न्यास को लेकर जारी विवाद में बृहस्पतिवार को कहा कि मध्यस्थता की प्रक्रिया 'काफी संतोषजनक' ढंग से बढ़ रही है और उसे 'उम्मीद' है कि यह विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिया जाएगा। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मध्यस्थ की ओर से दाखिल शुरुआती मध्यस्थता रिपोर्ट पर गौर किया। पीठ ने कहा, हमने देखा है कि अबतक मध्यस्थता की प्रक्रिया छह सत्रों में हुई है। मध्यस्थ ने परिवार के सभी सदस्यों से बातचीत की है। हमें यह जानकर खुशी है कि मध्यस्थता काफी संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रही है। हमें इस बात से भी खुशी है कि सभी पक्ष सहयोग कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि मध्यस्थ ने दो नवंबर तक मध्यस्थता के लिए समय देने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा, संबंधित पक्षों को खुले मन और दिल से मध्यस्थ के पास जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे किसी लंबे कानूनी विवाद में न फंसें। मध्यस्थता को बढ़ने दें, हम एक और रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी निर्देश दिया कि मध्यस्थ की फीस का भुगतान 'आर.के. फैमिली ट्रस्ट' से किया जाए।

ऑफ बीट

मिंजर मेला : संस्कृति और धार्मिक आस्था की अनूठी झलक

श्रावण की पहली फुहारों और रावी नदी के अनहद नाद के बीच दूसरे रविवार को चंबा के ऐतिहासिक मैदान में अंतरराष्ट्रीय मिंजर महोत्सव का शुभारंभ होता है। शोभायात्रा में स्थानीय संस्कृति और धार्मिक आस्था की अनूठी झलक देखने को मिलती है। माना जाता है कि किसी महत्वपूर्ण विजय और समृद्ध फसल की खुशी में लोगों ने राजा का स्वागत धान और मक्की की बालियों के प्रतीक 'मिंजर' से किया। 'मिंजर' रेशमी धागों से तैयार की जाने वाली एक विशेष लटकन होती है, जो धान और मक्की की नई बालियों का प्रतीक मानी जाती है। इसे अच्छी फसल, खुशहाली और समृद्धि का संदेश देने वाला शुभ प्रतीक माना जाता है। शोभायात्रा में भगवान लक्ष्मीनारायण और भगवान रघुनाथ मंदिर में मिंजर अर्पित की जाती है। मेले के दौरान लोग इसे अपने वस्त्रों पर धारण करते हैं और मंदिरों में अर्पित करते हैं। मेले का समापन विशेष धार्मिक अनुष्ठान के साथ होता है। अंतिम दिन शोभायात्रा रावी नदी के तट तक पहुंचती है, जहां मिंजर, नारियल, मौसमी फल और शुभ सामग्री जल में अर्पित की जाती है। यह परंपरा प्रकृति के प्रति आभार, अच्छी फसल और सुख-समृद्धि की कामना का प्रतीक मानी जाती है। धीरे-धीरे यह परंपरा एक बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक मेले में बदल गई, जो आज भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

शाह को सदन में बुलाने की मांग कर रहे विपक्ष को रिजिजू का जवाब

वे रोजाना आ रहे व देर तक रुक रहे, आप केंद्रीय मंत्री का कार्यक्रम तय नहीं कर सकते, विपक्ष के प्रदर्शन को 'ड्रामा' बताकर इसे बंद करने की अपील की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विपक्ष लगातार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में आने और उन पर लगे आरोपों का जवाब देने की मांग कर रहा है। विपक्ष नारे लगा रहा है- अमित शाह सदन में आओ। विपक्ष का आरोप है दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर नीट छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर ताकत का इस्तेमाल किया था। शाह ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे संसद की कार्यवाही बाधित हुई है। शुक्रवार को भी दोनों सदनों की कार्रवाई को वीकेंड तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस

बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का कहना है शाह लगातार संसद आ रहे हैं। वे केंद्रीय मंत्री का कार्यक्रम तय नहीं कर सकते और न ही उनसे इसे लेकर जवाब मांग सकते हैं।

ईसाई नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मिले थे शाह

गुरुवार को शाह ने डीएमके के सांसद पी. विल्सन सहित ईसाई नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और एफसीआरए विधेयक को लेकर उनकी चिंताओं को सुना।

तनातनी के बीच शाह ने बिरला से की मुलाकात

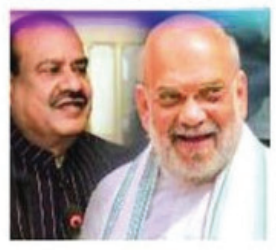

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। संसद में जारी गतिरोध के बीच हुई इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि बैठक के बाद दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई। बिरला के कार्यालय में शाह ने करीब एक घंटे तक बैठक की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब लोकसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है।

वे यहां जवाब दें

विपक्ष का कहना है कि 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष शाह से जवाब देने की मांग कर रहा है। इसी के साथ राम मंदिर चंदा चोरी के कथित मामले पर भी चर्चा कराने की मांग की जा रही है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक 2026 लोभसभा में पारित

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 शुक्रवार को लोकसभा में पारित हो गया है। इस का उद्देश्य भुगतान में विलंब की समस्या को समाप्त करना और विवाद निपटारे की प्रक्रिया को आसान बनाना है। केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को लघु एवं मध्यम उद्यमों से खरीद के बिलों का भुगतान व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली से होगा।

संसद में घमासान के आसार

कांग्रेस ने पार्टी सांसदों को जारी किया व्हिप

मानसून सत्र के बीच राजनीतिक सरगर्मियां अचानक तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने दोनों सदनों में अपने सभी

सांसदों को उपस्थित रहने का फरमान जारी किया है। पार्टी ने राज्यसभा और लोकसभा के अपने सदस्यों के लिए 3लाइन का व्हिप जारी किया है। इसके तहत सभी सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में मौजूद रहने को कहा गया है। इन दिनों में बेहद महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। पार्टी ने 'इंडिया गठबंधन' के सभी साथी दलों से भी संपर्क किया है।

खबर संक्षेप

नारायण साईं की उम्रकैद पर रोक नहीं लगेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम के बेटे नारायण साईं को दुष्कर्म मामले में मिली

उम्रकैद की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट से कहा कि वह दोषसिद्धि के खिलाफ अपील का निपटारा3 महीने के भीतर करने का प्रयास करे। न्यायमूर्ति एमएम सुंदेश और पीबी वराले की पीठ ने यह कहा।

तालाब में एक साथ 5 शव मिलने से सनसनी

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी जिले के अरेराज में मां और 4 बच्चों की मौत से सनसनी मच गई

है। गोविंदगंज थाना क्षेत्र में एक तालाब से शुक्रवार सुबह 5 शव बरामद किए गए। मरने वालों में मां, उसके 2बेटे और 2बेटियां शामिल हैं। सभी बभनौली पंचायत के रहने वाले थे और गुरुवार शाम के बाद से घर से गायब थे। गांव में कोहराम है।

पटना में युवक की मौत पर आगजनी, पथराव

पटना। पटना में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत के बाद बवाल हो गया है। आक्रोशित भीड़ ने बस में

आग लगा दी। पुलिस की तीन गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया। भीड़ ने पुलिस और पत्रकारों पर भी पथराव किया। अगमकुआं थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी इलाके में तेज रफ्तार बस ने युवक को कुचल दिया। इससे लोग आकरोशित थे।

न्यायालय तहसीलदार कांसाबेल, जिला-जशपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./अ-69/2025-26
ग्राम- कांसाबेल, तहसील कांसाबेल
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम कांसाबेल को सूचित किया जाता है. आवेदक सागर राम यादव आ० हरिराम जाति गयार निवासी ग्राम कांसाबेल (गंझुटोली) तहसील कांसाबेल जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पत्र पेश कर ग्राम कांसाबेल में स्थित घांस मद की शासकीय भूम खसरा नं0 1065 रकबा 0.053 हे० भूमि घांस मद से परिवर्तित कर आबादी भूमि घोषित किये जाने तथा खसरा नं0 1065 से 6.55 डिसमिल /0.265 हे0 का पट्टा स्वयं को प्रदाय किये जाने का निवेदन कलेक्टर महोदय जशपुर के समक्ष आवेदन पेश करने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बगीचा के माध्यम से प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही हेतु मूल प्रकरण प्राप्त हुआ है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने किसी वैध प्रतिनिधि के माध्यम से अपना आपत्ति दिनांक 12/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। बाद में प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
कांसाबेल, जिला-जशपुर

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी समेत कई भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितता

सीबीआई जांच पर संशय... नहीं बनी सहमति छात्र आंदोलन को अडिग, 'गतिरोध' बरकरार

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन चरम पर है। रांची के जैपल सिंह मुंडा स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से एडीएम धनंजय कुमार और रांची सदर एसडीओ राजत कुमार ने छात्रों से बातचीत कर उनकी मांगों और परीक्षा से जुड़ी चिंताओं की जानकारी ली। छात्र नेताओं प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने वाले कुछ नामों को लेकर अभी गतिरोध बना हुआ है। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के साथ सीधे संवाद किया। सरकार और छात्र प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता हुई। राजकीय अतिथिशाला में करीब 2 घंटे तक विभिन्न मांगों पर चर्चा हुई। आंदोलन की अहम मांग सीबीआई जांच पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। ऐसे में छात्रों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक इस मांग पर फैसला नहीं होता, तब तक उनका सत्याग्रह आंदोलन जारी रहेगा। अब अगली बैठक का इंतजार हो रहा है।

छात्रों और सरकार के बीच पहली वार्ता खत्म, नहीं निकला हल

अब अगली बैठक पर टिकी सबकी नजरें

झुकी सरकार छात्रों से बातचीत को तैयार

सरकार ने बातचीत के लिए केवल छात्रों वाली शर्त रखी

छात्र नेता राजेश कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही गई है और छात्र भी पहले की तरह बातचीत के लिए तैयार हैं। सरकार ने बातचीत के लिए केवल छात्रों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने की शर्त रखी है। राजेश ने कहा कि छात्रों की ओर से तैयार की गई प्रतिनिधिमंडल की सूची में कुछ नामों को लेकर आपत्ति जताई गई है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल के नामों की सूची में बदलाव किया जा रहा है। छात्रों की एक प्रमुख मांग यह भी है कि सरकार के साथ होने वाली बातचीत मीडिया की मौजूदगी में हो।

छात्र बोले- खुले मंच पर मुख्यमंत्री से बातचीत हो

प्रदर्शन कर रहे एक छात्र ने कहा कि उनकी मांग है कि मुख्यमंत्री खुद खुले मंच पर लाइव मीडिया के सामने छात्रों से बातचीत करें। छात्र ने आरोप लगाया कि पिछले आंदोलन के दौरान उनके प्रतिनिधियों को बंद कमरे में ले जाकर बातचीत की गई थी, लेकिन उसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। छात्रों का कहना है कि उनकी मांगों पर गंभीर और पारदर्शी बातचीत होनी चाहिए।

राहुल को बोलना था-सीबीआई जांच हो: केंद्रीय मंत्री सेठ

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने उम्मीदवारों के साथ एलओपी राहुल गांधी के संवाद पर कहा कि आधा महीना बीत गया, अब याद आया कुछ तो बोलना चाहिए। सीएण को बोलते कि सीबीआई जांच कराएं।

नेहा बोरा पर फेंकी गई स्याही

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा पर रांची में

स्याही फेंकी गई है। उन्होंने कहा यह साधारण स्याही हमारा क्या बिगाड़ लेगी? स्याही फेंकने वाले युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हम पर आंसू गैस के गोले, पलंट गन का इस्तेमाल किया गया। कुछ नहीं हुआ।

मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

स्वतंत्रता सेनानियों ने गोलियां खाईं और आप अंडों से डर रहीं

नई दिल्ली। नफरत फैलाने वाले भाषण के एक मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को पश्चिम बंगाल पुलिस के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है और कहा कि स्वतंत्रता सेनानी ने सीने पर गोलियां खाई थीं, लेकिन सांसदों के अंडों से डर लग रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं। मोइत्रा के वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मोइत्रा को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पुलिस के समक्ष पेश होने का कानूनी अधिकार है। मोइत्रा ने कहा, पहले मुझे धमकियां मिलीं कि मुझ पर अंडे फेंके जाएंगे आदि और दूसरी बार, वास्तव में अंडे फेंके गए।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र से पूछा

आप जंतर-मंतर प्रोटेस्ट स्थल को बंद क्यों नहीं कर देते?

जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से से सवाल किया। हाई कोर्ट ने पूछा कि वह विरोध प्रदर्शनों के लिए

जंतर-मंतर क्षेत्र को बंद करने पर विचार क्यों नहीं कर रही है? जस्टिस अमित महाजन ने कहा कि शहर के बीचोंबीच इस तरह के विरोध प्रदर्शनों के कारण शहर को अनावश्यक रूप से बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट ने पूछा कि आप इसे बंद क्यों नहीं कर देते? मेरे विचार से शहर में ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए, लेकिन यह सरकार का फैसला है।

सरकार ठोस सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाना चाह रहीः हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार छात्र की समस्या का समाधान करने की इच्छा रखती है।

जो छात्रों की इच्छा है, उस इच्छा को हम जयपाल सिंह स्टेडियम से बाहर तक ले जाने की कोशिश में हैं। छात्र-छात्राएं हैं, अपनी राय दे सकते हैं। हम बच्चों की ये जो जिज्ञासा है, उस जिज्ञासा को उनके अनुरूप बनाने के उद्देश्य से आगे बढ़ेंगे।

निष्पक्ष जांच की जाएः विधायक

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक जयराम महतो ने अनियमितताओं की

निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि मामले में आरोपी बताए जा रहे व्यक्ति ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में दूसरी रैंक हासिल की थी और उसके परिवार के कई सदस्य भी परीक्षा में सफल हुए थे। ऐसे में भर्ती परीक्षाओं की गहन जांच कराई जानी चाहिए।

उधर, डीए की मांग पर पंजाब के कर्मचारी-पेंशनर्स का हल्ला बोल

विधानसभा घेराव के लिए बढ़े, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) नहीं दिए जाने के विरोध में शुक्रवार को हजारों कर्मचारी और पेंशनर चंडीगढ़ सेक्टर 39 की अनाज मंडी में रैली में पहुंचे। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने विधानसभा की तरफ कूच किया तो पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर उन्हें रोका। वहीं कर्मचारियों के प्रदर्शन के चलते रास्तों पर भीषण जाम लगा रहा। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों और कथित टालमटोल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

गुरुग्राम में रात से लगातार हो रही झमाझम बारिश

100 करोड़ के फ्लैट्स वाला गोल्फ कोर्स रोड पानी में डूबा, कई इलाकों में ट्रैफिक जाम

जलभराव से गलियां स्वीमिंग पूल बनीं, बच्चे तैरने लगे

एजेंसी ▶▶ गुरुग्राम

यहां दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में जोरदार दस्तक दी। गुरुग्राम में रात से लगातार हो रही झमाझम बारिश का असर जहां दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर देखने को मिला। सबसे पॉश इलाकों में शामिल डीएलएफ सेक्टर-42 स्थित ग्लोबल फोयर मॉल के सामने गोल्फ कोर्स रोड पूरी तरह जलमग्न हो गई।

एंबुलेंस फंसी, रेड अलर्ट

कई इलाकों में जलभराव और भीषण ट्रैफिक जाम की समस्या भी खड़ी कर दी। दुर्गा विहार में जलभराव हो गया, जबकि देवली रोड पर भी कई जगह पानी भर गया। महमाया फ्लाईओवर के नीचे जमा गहरे पानी में एक एंबुलेंस फंस गई,रोड स्विमंग पुल बन गई।

कुल्लू में भूस्खलन

कुल्लू। यहा भारी बारिश और भूस्खलन से पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर सड़क पर आ गिरे हैं, जिससे यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है और यात्री जगह-जगह फंस गए हैं।

पॉवर हाउस में खड़ी बाईक जल कर खाक

मीरजापुर। विंध्याचल के भवानीपुर 33/11 केवी उपकेंद्र भवानीपुर, विंध्याचल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब उपकेंद्र परिसर में खड़ी एक बैटरी स्वचालित स्कूटी में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठते ही उपकेंद्र में मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। अवर अभियंता (जेई) नरेंद्र सिंह ने बताया कि यह बैटरी स्वचालित स्कूटी विभाग में कार्यरत कर्मचारी अतुल जायसवाल की है।

न्यायालय तहसीलदार कांसाबेल जिला-जशपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./अ-75/2025-26
ग्राम- कांसाबेल, तहसील कांसाबेल
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम कांसाबेल को सूचित किया जाता है, आवेदक गणेश राम आ० मोती राम जाति गयार निवासी ग्राम कांसाबेल (गंझुटोली) तहसील कांसाबेल जिला - जशपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पत्र पेश कर ग्राम कांसाबेल में स्थित घांस मद की शासकीय भूम खसरा नं0 1065 रकबा 0.053 हे० भूमि घांस मद से परिवर्तित कर आबादी भूमि घोषित किये जाने तथा खसरा नं0 1065 से 6.55 डिसमिल / 0.265 हे0 का पट्टा स्वयं को प्रदाय किये जाने का निवेदन कलेक्टर महोदय जशपुर के समक्ष आवेदन पेश करने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बगीचा के माध्यम से प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही हेतु मूल प्रकरण प्राप्त हुआ है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने किसी वैध प्रतिनिधि के माध्यम से अपना आपत्ति दिनांक 12/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। बाद में प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
कांसाबेल, जिला-जशपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण हेमलता नैलोर पति स्व० अमृत नैलोर, सौरभ नैलोर, सुरभी मारमपल्ली पिता स्व. अमृत नैलोर, सुगंधा दर्शी पति राजीव दर्शी पिता स्व० अमृत नैलोर, सभी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति / पिता के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला सत्तीपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 675/2. 678/3 रकबा क्रमशः 0.10, 0.10 एकड़ भूमि है। अमृत नैलोर की मृत्यु दिनांक 30.06.2026 को हो गई है तत्पश्चात आवेदकगण द्वारा आवेदित भूमि से मृत्तक मृत्तक अमृत नैलोर का नाम विलोपित करते हुये स्वयं के नाम से फौती नामांतरण किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा मृत्तक अमृत नैलोर की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-27/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

डॉ. भागवत के बयान के बाद दीपके ने किया क्रिट्रिक पोस्ट

आलोचकों पर निशाना, 'टू हूम इट मे' कंसर्न लिखा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के छात्र आंदोलनों पर दिए

गए बयान के बाद सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आलोचकों पर परोक्ष निशाना साधा है। दीपके ने भागवत के बयान से जुड़ी एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'टू हूम इट मे कंसर्न' (जिन्हें समझना है, वे समझ जाएं)। यह बयान तब आया है जब पेपर लीक, परीक्षा सुधार की मांग को लेकर छात्र आंदोलन पर राजनीतिक बहस जारी है।

प्रियंका वाड्रा ने कसा तंज

युवाओं को आपसे प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने डॉ. भागवत पर निशाना साधा। उन्होंने जेन जी और जेन अल्फा के साथ हुई बातके बाद कहा कि युवाओं को उनसे किसी प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है।

चंद्रशेखर ने यादव से कहा क्या वो सक्षम नहीं थे?

लोकसभा सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने

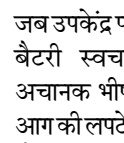

आरक्षण वाले बयान पर हमला बोला है। आजाद ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जिक्र करते हुए कहा कि आखिर जातिगत जनगणना कब करवा रहे? पुराने सीएम की कुर्सी को गंगा जल से क्यों धुलवाया था? क्या वो सक्षम नहीं थे?

भाजपा संघ की शरण में पहुंच गई

समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने डॉ.भागवत की बातचीत को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी जब भी खुद को पूरी तरह से घिरी हुई पाती है, तब आरएसएस की ओर रुख करती है। चूंकि भाजपा सरकार को जेनरेशन जेड से चुनौती मिल रही है, तो यह बात आई।

आकाशीय बिजली गिरने के बाद इलाज के लिए भटकते मरीज, एक नर्स के भरोसे अस्पताल,डॉक्टर ड्यूटी से नदारद

बीएमओ ने व्यवस्था का हवाला दे पल्ला झाड़ा

सीएमएचओ ने कहा जांच कर की जाएगी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। लखनपुर का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अपने कार्यप्रणाली को लेकर वैसे तो हमेशा सुर्खियों का कारण बनता रहा है परंतु इस बार अस्पताल प्रबंधन अपने कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर लोगो के बीच चर्चा का का विषय बना हुआ है जहाँ आकाशीय बिजली गिरने से घायल स्थानीय तीन लोगो ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाये हैं। पूरा मामला ग्राम केंवरी का है जहाँ एक घर में विनोद करियाम गोरता निवासी, वीरेंद्र कुमार लोकनाथ भरतपुर निवासी काम कर रहे थे उसी समय मौसम बदला और गरज चमक के साथ बारिश होने लगी इसी दौरान घर के अंदर वज्रपात हुआ जिसके बाद काम कर रहे तीनो लोग घायल हो गए जिसमें तीनो को लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। अस्पताल तक पहुचने में भी पहली और सबसे बड़ी समस्या यह रही की परिवारजनों के द्वारा कई बार 108 संजीवनी एम्बुलेंस पर कॉल लगाने के बाद भी यह कहा गया की अभी एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं है और अंबिकापुर से कुछ समय बाद आ पाएगी बाद इसके परिवारजनों ने निजी वाहन से तीनो व्यक्तियों को लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जिस समय तीनो घायलो को बेहोशी की हालत में लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया उस समय मौके पर कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं था साथ ही एक स्टाफ नर्स ही सभी मरीजों का देखभाल कर रही थी। एक तरफ जहां नियमानुसार दो से तीन स्टाफ नर्स की उपलब्धता होनी चाहिए उस समय में केवल एक स्टाफ नर्स के भरोसे पूरा अस्पताल चल रहा था वहीं अगर डॉक्टर की बात की जाए तो ड्यूटी डॉक्टर भी उस समय मौके पर उपस्थित नहीं थे। करीब आधे घंटे के इंतजार के बाद ड्यूटी डॉक्टर आए जिसके बाद इलाज प्रारंभ हो सका। हालांकि अब इलाज के बाद तीनो घायलो को हालत स्थिर है और तीनो खतरे से बाहर हैं परंतु ये सारी बातें कही न कही स्वास्थ्य व्यवस्था और

अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। अगर स्वास्थ्य व्यवस्था इस तरह कमजोर है तो लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के सरकार के वादों का क्या होगा? अगर आपातकालीन स्थिति में लोगो को एंबुलेंस की सुविधा न मिले, और अगर मरीज किसी तरह अस्पताल पहुँच भी जाए और वहा कोई डॉक्टर न हो तो ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य सुविधाओं की धरातल पर स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। ऐसी स्थिती में अगर किसी व्यक्ति की जान चली जाती तो आखिर उसका ज़िम्मेदार कौन होता अस्पताल प्रबंधन या प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था। वहीं इस मामले में लखनपुर बीएमओ डॉक्टर ओ पी प्रसाद ने एक नपा तुला बयान दिया उन्होंने कहा की हमारे यहाँ ओपीडी तक सभी डॉक्टर रहते हैं और आपातकालीन समय में भी डॉक्टर रहते हैं अगर कभी डॉक्टर नहीं मिले तो दूसरे डॉक्टर मरीजों का उपचार कर लेते हैं। एम्बुलेंस के विषय में उन्होंने कहा कि अपने पास 108 की सुविधा उपलब्ध है। कहीं और चले जाने के कारण शायद सुविधाएं नहीं मिल पायी।स्टाफ नर्स की उपलब्धता पर बीएमओ ने कहा कि स्टाफ नर्स की उपलब्धता रोस्टर के हिसाब से समायोजित किया जाता है जिसके बाद प्रत्येक शिफ्ट के अनुसार दो दो स्टाफ नर्स ड्यूटी में रहती हैं पर एक स्टाफ नर्स प्रसव में रही होगी। अगर कोई अनुपस्थित है तो जानकारी के बाद ही अनुपस्थित रहती है। वही सीएमएचओ पीएस मार्को ने मामले की जांच कर कार्यवाही की बात कही है। बीएमओ के इस प्रकार के कथन के बाद एक बात तो स्पष्ट हो जाती है की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में कहीं न कहीं कमी तो है परंतु स्वास्थ्य विभाग अपनी कमियों को व्यवस्था का हवाला देकर छुपाने में लगा हुआ है। एक तरफ बेहतर व्यवस्था की बात की जाती है तो वही दूसरी ओर समय पर सही परिवहन व्यवस्था नहीं मिल पाना, डॉक्टर का अनुपस्थित होना कई सवालों को जन्म देता है। फि लहाल अपने इस कार्यप्रणाली को लेकर अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर लोगो के बीच चर्चा का विषय बन गया है जहाँ लोग स्वास्थ व्यवस्था को लेकर सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर कब तक लोगो को समय पर बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था मिल पाएगी या फिर इसी सिस्टम के भरोसे लोगो को हमेशा एक बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद लिए जीना होगा।

सीएमएचओ डॉ पी एस मारको

इस नंबर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी एस मारको से इस संबंध में चर्चा करने पर उनके द्वारा कहा गया की बीएमओ से जांच करवाता हु ड्यूटी से नदारत रहने पर डॉक्टर और स्टाफ पर कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी संस्कृति से मिली प्रकृति बचाने की सीख, नन्हें हाथों ने संभाली स्वच्छता की कमान

चट्टीडांड़ स्कूल में प्रकृति के प्रहरी बने नन्हें हाथ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ में आयोजित गतिविधि दिवस आदिवासी संस्कृति, प्रकृति प्रेम, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी का अनूठा संगम बन गया। बच्चों ने आदिवासी वेशभूषा धारण कर जनजातीय जीवनशैली को जीवंत किया, वहीं अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से संस्कृति संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश भी दिया। विद्यालय परिसर में बच्चों की प्रस्तुतियों से ऐसा वातावरण बना, मानो सरगुजा और बस्तर की लोकसंस्कृति ने विद्यालय की चौखट पर दस्तक दे दी हो। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की पत्तियों से आकर्षक पारंपरिक वेशभूषा और आभूषण तैयार किए। लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुतियों के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुनों ने गतिविधि को जीवंत बना दिया। बच्चों की रचनात्मकता का अनूठा उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने बोतल, टिफिन डिब्बे, गिलास, किताब और चम्मच जैसी आसपास उपलब्ध वस्तुओं का उपयोग कर वाद्य यंत्र तैयार किए। इन्हीं से आदिवासी गीतों की धुन पर बच्चों ने आर्केस्ट्रा प्रस्तुति दी। इस गतिविधि ने यह संदेश भी दिया कि सीखने के लिए महंगे संसाधन नहीं, बल्कि कल्पनाशीलता और अवसर की जरूरत होती है। प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने बच्चों को बस्तर के प्रसिद्ध आदिवासी बालक चेंदरू की कहानी सुनाई। जंगल और प्रकृति के बीच पले-बढ़े चेंदरू की बाघ से अनोखी दोस्ती ने उन्हें दुनिया भर में पहचान दिलाई। कहानी के माध्यम से बच्चों को आदिवासी जीवन, जंगल और वन्यजीवों के साथ उनके आत्मीय संबंध तथा बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ के मानचित्र में सरगुजा और बस्तर की स्थिति पहचानी तथा प्रमुख आदिवासी जनजातियों, उनकी वेशभूषा, आभूषण, पारंपरिक व्यंजन,

लोकगीत, लोकनृत्य और वाद्य यंत्रों की जानकारी प्राप्त की। स्थानीय भाषायी विविधता को जानने के लिए बच्चों ने अपने सहपाठियों से उनकी बोली में आम, मछली, पेड़ और मुर्गी जैसे शब्द भी सीखे। कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायी पक्ष पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान रहा। आदिवासी वेशभूषा में सजे बच्चों ने दस्ताने पहनकर विद्यालय परिसर से कचरा एकत्र किया और स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान बच्चों ने व्यवहार के माध्यम से यह समझाया कि प्रकृति से प्रेम केवल उसके बारे में जानना नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाना भी है। प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को जानने का अवसर नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन और उसके संरक्षण की सीख लेने का भी अवसर है। बच्चों ने संस्कृति को जाना, उसे अपनी रचनात्मकता में उतारा और स्वच्छता के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों को किताबों से आगे ले जाकर संस्कृति, प्रकृति, रचनात्मकता और सामूहिक जिम्मेदारी को अनुभव के माध्यम से समझने का अवसर देती हैं। चट्टीडांड़ स्कूल में आयोजित यह गतिविधि दिवस इस संदेश के साथ यादगार बन गया कि संस्कृति की जड़ें प्रकृति में हैं और प्रकृति की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। बच्चों की प्रस्तुतियों ने आदिवासी संस्कृति के सम्मान के साथ-साथ स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण के प्रति जागरूकता की नई तस्वीर भी प्रस्तुत की।

जमीन विवाद पर प्राण घातक हमले के फरार 3 और आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। जमीन विवाद पर प्राण घातक हमला करने वाले फरार तीन और आरोपियों को बसदेई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। बताया गया है कि ग्राम जूर की हसीना बीबी ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि मोहम्मद आयुब के परिवार के साथ इन लोगों का जमीन विवाद चल रहा है। 14 अप्रैल को प्राथीर्या अपने ससुर सफी अहमद, बहू सहेबा के साथ खेत में बनाये झाला के खाट में बैठी थी तो शाम करीब 5 बजे अयुब अंसारी, अयुब के दोनों पुत्र भतीजा एवं पत्नी सभी लोग एक राय होकर डण्डा लाठी लेकर वहां पर आये और प्राथीर्या को गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर झगड़ा विवाद करने लगे।

फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर 14 में डीपीएस संबलपुर और अंडर 19 में जेबी. इंटरनेशनल स्कूल कांकेर बना चैंपियन

साधु राम विद्या मंदिर की अंतर विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ रंगारंग समापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां साधु राम विद्या मंदिर में आयोजित इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता का फाईनल मुकाबला शनिवार को स्कूल के फुटबॉल ग्राउंड में उत्साह, रोमांच और खेल भावना के माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि स्कूल के एमडी डॉ. राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे। उनके द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया और उज्ज्वल भविष्य की कामना कर सभी प्रतिभागियों को

आयोजन में शिरकत करने की बधाई दी। अंडर-14 वर्ग के फाइनल मुकाबले में डीपीएस संबलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑलवन्स पब्लिक स्कूल, बेमेतरा को 2-0 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस वर्ग में ऑलवन्स पब्लिक स्कूल, बेमेतरा उपविजेता रहा। वहीं अंडर-19 वर्ग के रोमांचक फाइनल में जे.बी. इंटरनेशनल स्कूल, कांकेर ने डीपीएस छिंदवाड़ा को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। डीपीएस छिंदवाड़ा को उप विजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। समापन समारोह के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय परिसर तालियों और विजयी नारों से गूंज उठा। मंच संचालन दीपक पटले और दीपक वासुले ने प्रभावशाली ढंग से किया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्राचार्या खुशबू सिंह, उप-प्राचार्य दीनदयाल तिवारी सहित सभी प्रतिभागी टीमों के कोच तथा साधु राम विद्या मंदिर के शिक्षक शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों की खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अवैध शराब के साथ बाईक चालक गिरफ्तार, लटोरी पुलिस की कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की लटोरी पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक बाईक चालक को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि बीते शुक्रवार को चौकी लटोरी पुलिस ग्राम भ्रमण व रोड़ पेट्रोलिंग पर निकली थी। इसी दौरान मुखबीर ने सूचना दिया कि ग्राम द्वारिकानगर की ओर एक मोटर सायकल में एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब लेकर जा रहा है। सूचना पर पुलिस के द्वारा लटोरी बाजार चौक के पास घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम रामकुमार ग्राम तुलसी का होना बताया। जिसके कब्जे से 180 एमएल का 35 नग अंग्रेजी शराब कीमत 5250 रुपए का जप्त किया गया। पूछताछपर उसने बताया कि शराब दुकान से अंग्रेजी शराब खरीदकर फुटकर बेचने हेतु ले जा रहा था जिससे शराब खरीदी बिक्री व परिवहन करने संबंधी दस्तावेज की मांग करने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। मामले में अंग्रेजी शराब, परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया।

चाकू व पिस्टलनुमा हथियार के साथ कार सवार 2 युवक धराए

डॉयल 112 के जवान ने सूझबूझ व ग्रामीणों के सहयोग से युवकों को दबोचा

एसपी ने आरक्षक को नगद पुरस्कार देने की घोषणा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। डॉयल 112 में तैनात आरक्षक की सूझबूझ, सतर्कता और तत्परता से रामानुजनगर थाना क्षेत्र में चाकू एवं पिस्टल जैसा दिखने वाला हथियार लेकर घूम रहे दो आरोपियों को ग्रामीणों के सहयोग से धरदबोचा गया। आरक्षक की कर्तव्यनिष्ठा एवं त्वरित सूचना से पुलिस को समय रहते कार्रवाई करने में सफलता मिली। आरक्षक के इस सराहनीय कार्य पर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने उन्हें नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की है। बताया गया है कि 6 अगस्त की शाम थाना रामानुजनगर पुलिस को

थाना सूरजपुर के डॉयल 112 में तैनात आरक्षक प्रदीप सोनवानी द्वारा सूचना दी गई कि ग्राम मंहगई हरिजनपारा में एक बलेनो कार क्रमांक सीजी 29 एजी 1126 में सवार चालक एवं उसका साथी कार में पिस्टल एवं चाकू रखे हुए हैं। आरक्षक ने ग्रामीणों के सहयोग से दोनों संदिग्धों को मौके पर ही रोककर पकड़ लिया। सूचना मिलते ही थाना रामानुजनगर पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने बलेनो कार में सवार कैफ अंसारी पिता सहाबुद्दीन अंसारी, उम्र 24 वर्ष एवं विकास रवि पिता स्व. रामकुमार रवि, उम्र 19 वर्ष, दोनों निवासी नावापारा खुर्द को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक नग धारदार चाकू एवं एक नग पिस्टल जैसा हथियार बरामद कर जप्त किया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बलेनो कार, धारदार चाकू एवं पिस्टलनुमा हथियार को जप्त करते हुए थाना रामानुजनगर में धारा 25 आर्म्स एक्ट एवं 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया।

सिपाही-रक्षा सुत्र के तहत छात्राओ ने सैनिको के लिए बनाई राखियां और भेजा संदेश

आत्मानंद जरही विकासखंड प्रतापपुर के विद्यार्थियों ने सैनिकों के नाम लिखे भावपूर्ण पत्र राष्ट्रभक्ति एवं सेवा भावना के विकास की दिशा में प्रेरणादायी पहल करते हुए रक्षाबंधन पर्व पर भारतीय सैनिकों के सम्मान में शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय हिंदी माध्यम जरही में आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम 08 अगस्त 2026 को स्कूल की छात्राओं की स्वच्छता और मंत्री परिषद की टीम ने *₹ऑपरेशन सिपाही- रक्षा सूत्र₹* कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य राज्य आयुक्त के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश से स्कूल की प्राचार्या पुष्पा कुजूर के आदेशानुसार विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालय के व्याख्याता संतोष कुमार भारती, दीपेंद्र सिंह, राकेश भगत और मनिंदर जायसवाल सहित फ्दा केरकेट्टा के मार्गदर्शन में आत्मानंद जरही विकासखंड प्रतापपुर में रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर भारतीय सैनिकों के सम्मान में प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, (छत्तीसगढ़)

(E-mail actd-mcb@cg.gov.in)

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक / 1500 / निर्माण/आ०वि०/2026-27 — मनेन्द्रगढ़, दिनांक 05/08/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत 'द' श्रेणी या उससे ऊपर के ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में मुहर बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र	कार्य का नाम	विकस खण्ड	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर राशि रू	निविदा प्रपत्र मूल्य रू0
1	2	3	4	5	6
1	अ.ज.जा. पो0–मै0 कन्या छात्रावास भरतपुर (संचालित एकलव्य आदर्श विद्यालय जमथान विकास खण्ड भरतपुर) में शौचालय निर्माण कार्य	भरतपुर	532000	4000	750
2	प्री–मै0 आदिवासी कन्या छात्रावास बुंदेली में तार फेंसिंग कार्य	मनेन्द्रगढ़	148000	2000	300
3	अ.ज.जा. बालक क्रीडा परिसर मनेन्द्रगढ़ में बाउण्ड्रीवॉल सह कोईल फेरिंग कार्य	मनेन्द्रगढ़	388000	3900	750
4	आदिवासी प्री–मै0 बालक छात्रावास कोटाडोल का जीर्णोद्धार एवं सेप्टिक टैंक का निर्माण कार्य	भरतपुर	341000	3500	750

1- निविदा हेतु आवेदन प्रस्तुत करने का दिनांक - 21/08/2026 तक सांय 05:00 बजे तक

2- निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का दिनाक - 24/08/2026 तक सांय 05:00 बजे तक

3- निविदा प्रपत्र जमा करने का दिनांक - 27/08/2026 तक सांय 05:00 बजे तक

4- निविदा प्रपत्र खोलने का दिनांक - 29/08/2026 दोपहर 12:00 बजे से

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र मूल्य चालान के माध्यम से जमा किया जावेगा।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
मनेन्द्रगढ़-चिरगिरी-भरतपुर

जी 262702608/1

पुरानपारा के जर्जर स्कूल भवन में खतरो के बीच बैठकर शिक्षा ग्रहण कर रहे नवनिहाल, धृतराष्ट्र बने जिम्मेदार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शासकीय प्राथमिक शाला पुरानपारा का भवन लंबे समय से जर्जर हालत में है। बरसात के दिनों में स्कूल की छत से पानी टपकता है, दीवारों में नमी बनी रहती है और प्लास्टर गिरने का खतरा बना हुआ है। इसके बावजूद 38 से अधिक बच्चे इसी जर्जर भवन में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। स्कूल
दो कमरे में संचालित हैं और दोनों की हालत जर्जर है। बारिश के दौरान कक्षाओं के भीतर पानी टपकने से बच्चों को बैठने तक में परेशानी होती है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। ग्रामीणों के अनुसार स्कूल भवन की स्थिति महीनों से खराब है। बारिश शुरू होने के बाद समस्या और गंभीर हो गई है। छत से पानी टपकने के साथ ही दीवारों में सीलन और प्लास्टर गिरने की स्थिति बनी हुई है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चे स्कूल की बदहाल स्थिति देखने के बावजूद अपना भविष्य संवारने के लिए रोज विद्यालय पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाई के लिए सुरक्षित भवन तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

शिक्षक ने लिखित में दी जानकारी, घटना हुई तो कौन होगा जिम्मेदार

स्कूल के शिक्षक सूरज सिंह से जब भवन की स्थिति और अधिकारियों को दी गई जानकारी के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि स्कूल भवन की समस्या को लेकर ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों को लिखित सूचना दी जा चुकी है। शिक्षक के अनुसार जर्जर भवन को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया

गया है और यदि इस स्थिति में किसी प्रकार की घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी उनकी नहीं होगी। शिक्षक का यह बयान स्कूल भवन की गंभीर स्थिति को उजागर करता है। सवाल यह है कि जब विभागीय अधिकारियों को भवन की स्थिति की जानकारी लिखित रूप से दी जा चुकी है, तो अब तक बच्चों को सुरक्षित भवन अथवा वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं दी गई।

पांच साल से भवन की मांग

सरपंच फुलमती सिंह के अनुसार स्कूल भवन निर्माण की मांग करीब पांच वर्षों से की जा रही है। ग्रामीणों ने कई स्तरों पर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीण कंमता सिंह ने बताया कि स्कूल भवन की स्थिति को लेकर कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री स्तर तक पत्राचार किया गया है। मुख्य चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। उपसरपंच और अभिभावकों ने समस्या बताते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है।

10 लाख स्वीकृत, फिर भी नहीं बन पाया भवन

जानकारी के अनुसार स्कूल भवन निर्माण के लिए स्कूल जतन योजना के तहत करीब 10 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। भवन निर्माण के लिए हाउसिंग बोर्ड को कार्यादेश भी जारी किए जाने की बात सामने आई है। बताया गया कि करीब आठ महीने पहले हाउसिंग बोर्ड की ओर से निर्माण कार्य शुरू कराने की प्रक्रिया हुई थी, लेकिन बाद में काम अधूरा छोड़कर एजेंसी वहां से चली गई। इसके बाद अब तक भवन निर्माण का काम आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं हाउसिंग बोर्ड द्वारा राशि वापस किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

2022 में मुख्यमंत्री दौरे के बाद जगी थी उम्मीद

बताया गया कि 7 मई 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र का दौरा हुआ था। उस समय ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि क्षेत्र की शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा। लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी पुरानपारा स्कूल भवन की स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या अधिकारियों के संज्ञान में होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से बच्चों को जोखिम के बीच पढ़ाई करनी पड़ रही है। स्कूल मुख्य मार्ग से जुड़ा हुआ है।बावजूद यहां प्राथमिक स्कूल भवन बदहाल होना जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

क्षेत्र के कई स्कूल भवन जर्जर

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में सिर्फ पुरानपारा स्कूल ही नहीं, बल्कि कई अन्य शासकीय स्कूल भवन भी जर्जर हालत में हैं। बरसात के दौरान इन भवनों में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों की परेशानी बढ़ जाती है। स्कूलों में बेहतर शिक्षा व्यवस्था की बात की जा रही है, लेकिन यदि बच्चों के सिर पर सुरक्षित छत ही नहीं है तो शिक्षा के बेहतर वातावरण की बात अधूरी नजर आती है। पुरानपारा स्कूल की स्थिति सिर्फ एक जर्जर भवन का मामला नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

आज से 17 तक हर घर तिरंगा' अभियान, स्वच्छता और वन्देमातरम थीम पर होंगे विविध आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिले में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान संचालित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने अभियान के सुचारू एवं प्रभावी संचालन हेतु अधिकारियों के दायित्व निर्धारित किये हैं । इस वर्ष अभियान 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता और वंदे मातरम्' थीम पर केंद्रित रहेगा। अभियान अवधि में जिले के नागरिकों को अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक एवं व्यक्तिगत गायन के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसका मूल उद्देश्य आमजन में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव के भाव को और अधिक सुदृढ़ करना है।

अभियान के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर नागरिकों को तिरंगा उपलब्ध कराया जाएगा तथा देशभक्ति एवं जनजागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संबंधित विभागों एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा इन कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही अभियान के दौरान होने वाली समस्त गतिविधियों की सतत निगरानी भी की जाएगी। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में तिरंगा वितरण, व्यापक जनभागीदारी तथा विविध आयोजनों पर विशेष बल दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़कर स्वतंत्रता के पर्व को उत्साहपूर्वक मना सकें।

प्रतापपुर जनपद परिसर में श्रमदान तो विद्यालयों में गूँजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशों के अनुपालन में जनपद पंचायतों एवं विद्यालयों में स्वच्छता अभियान तथा बैगलेस डे के माध्यम से स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

बैगलेस डे पर विद्यालयों में रंगोली एवं लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं, वहीं अधिकारी-कर्मचारी सामूहिक श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान में अपनी सहभागिता प्रस्तुत कर रहे हैं।

इसी तारतम्य में आज जनपद पंचायत प्रतापपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा जनपद पंचायत कार्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का प्रयास किया गया। इस दौरान परिसर के चारों

ओर के साथ-साथ भवन के भीतर की साफ-सफाई का कार्य भी पूर्ण किया गया। इसी प्रकार बैगलेस डे पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण थीम पर रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। माध्यमिक शाला केदारपुर, संकुल केंद्र लक्ष्मणपुर में पर्यावरण संरक्षण विषय पर रंगोली प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से प्रकृति की रक्षा का संदेश उकेरा। छात्रों ने कागज के बैग तैयार कर प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का संदेश भी दिया। इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास हुआ, साथ ही स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संचार भी हुआ।

जिपं सीईओ ने भैयाथान क्षेत्र में निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले द्वारा विगत दिवस जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों एवं शासकीय संस्थानों का सघन निरीक्षण किया गया। इस

दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य समय सीमा में गुणवत्तायुक्त ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण की शुरुआत ग्राम बतरा स्थित सीएससी सेंटर से हुई, जहाँ उपलब्ध सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इसके पश्चात प्राथमिक शाला पसलिहा पारा में प्रगतिरत स्कूल भवन एवं बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। उन्होंने ग्राम लक्ष्मीपुर में चल रहे तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया तथा कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।हाई स्कूल लक्ष्मीपुर के निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्मार्ट क्लासरूम की व्यवस्था देखी और बच्चों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई का स्तर परखा। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत बतरा में प्रस्तावित महतारी सदन के निर्माण हेतु चिन्हांकित स्थल का निरीक्षण उपसरपंच एवं महिला समूह की सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर स्थल की उपयुक्तता तथा आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता आरईएस, एसडीएम भैयाथान, एसडीओ आरईएस, तहसीलदार भटगांव सहित तकनीकी सहायक, पंचायत सचिव एवं पटवारी उपस्थित रहे।

हस्तशिल्प की जीवंत परंपरा से रूबरू हुए दतिमा के विद्यार्थी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ की सदियों पुरानी शिल्प परंपरा जब कक्षा की चारदीवारी से निकलकर विद्यार्थियों के सामने साकार हुई, तो देवी अहिल्या बाई पब्लिक स्कूल, दतिमा का परिसर कला और जिज्ञासा से भर उठा। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प के अंतर्गत संचालित हस्तशिल्प सेवा केन्द्र, जगदलपुर द्वारा यहाँ तीन दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शन-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सहायक निर्देशक श्री मनोज राठी ने किया। आयोजन को सफल स्वरूप देने में विद्यालय के निर्देशक मुकेश अग्रवाल एवं श्री राजू यादव तथा प्राचार्य संजीत कुमार सिंह की सक्रिय भूमिका रही।

तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

तीन दिनों तक चले इस आयोजन में विद्यार्थियों के समक्ष राज्य की चार प्रमुख कलाओं—गोदना पेंटिंग, भित्तिचित्र, काष्ठ शिल्प एवं ड्राई फ्लावर पेंटिंग—का सजीव प्रदर्शन किया गया। शिल्पियों ने केवल कृतियाँ ही नहीं दिखाईं, बल्कि इन कलाओं की उत्पत्ति, उनसे जुड़ी लोक परंपरा, निर्माण की बारीक प्रक्रिया, उपयोगिता तथा संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

सरगुजा, बिलासपुर एवं जशपुर सहित विभिन्न अंचलों से आए अनुभवी हस्तशिल्पियों ने अपने पारंपरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों को शिल्प की सूक्ष्म तकनीकों से परिचित कराया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रदर्शन में भागीदारी की और कारीगरों से सीधे संवाद कर निर्माण प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

विशेष बात यह रही कि विद्यालय की नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ यह जागरूकता कार्यक्रम समानांतर रूप से संचालित होता रहा, जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ राज्य की सांस्कृतिक विरासत को निकट से देखने और समझने का व्यावहारिक अवसर मिला। शिक्षा और शिल्प विरासत के इस समन्वय ने आयोजन को विद्यार्थियों के लिए एक स्मरणीय अनुभव बना दिया।

लापरवाही : कार के गेट से टकराकर सड़क पर गिरा बाईक सवार पिकप की चपेट में आया, गम्भीर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क से सटाकर कार खड़ी कर लापरवाही पूर्वक अचानक उसका गेट खोलना एक बाईक सवार के लिए उस वक्त भारी पड़ गया जब वह कार के गेट से टकराकर सड़क पर जा गिरा और सामने से आ रही पिकप वाहन की चपेट में आकर गम्भीर रूप से आहत हो गया है।जिसे मौके पर मौजूद लोगों की मदद से उपचार के लिए यहां जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। घटना शनिवार की सुबह शहर के भैयाथान रोड स्थित पंचमंदिर सामने हुई है। घटना समीप के घर मे लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बताया गया है कि समीपस्थ ग्राम देवीपुर के 45 वर्षीय उमाशंकर नेताम यहां के आईटीआई कॉलेज में गार्ड के पद पर कार्यरत हैं। श्री नेताम शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे अपनी

ड्यूटी पूरी कर अपनी प्लेटीना मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान जब वे पंच मंदिर के सामने पहुंचे, तभी सड़क किनारे खड़ी हुंडई वेन्यू कार क्रमांक सीजी 29 एई 6466 में सवार द्वारा अचानक कार का दरवाजा खोल दिया गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार का दरवाजा अचानक खुलने के कारण मोटरसाइकिल सवार उमाशंकर उससे टकरा गए और बाइक सहित सड़क पर दूर जा गिरे। इसी बीच सामने से आ रहे पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 0118 की चपेट में आ गए। अचानक हुए दोहरे टकराव से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके हाथ व सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई है। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया। आहत को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सड़क किनारे वाहन खड़ी करने के बाद दरवाजा खोलते समय पीछे से आने वाले वाहनों को देखना बेहद जरूरी है। उनका आरोप है कि कार का दरवाजा बिना पर्याप्त सावधानी के अचानक खोले जाने के कारण यह हादसा हुआ।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घायल उमाशंकर नेताम का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार घायल की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। मामले में फिलहाल कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है।

विश्व आदिवासी दिवस पर यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग अभियान का शुभारंभ

पीवीटीजी-पंडो परिवार तक पहुंचेगी स्वास्थ्य सेवा, मोबाइल ऐप से होगी रियल-टाइम मॉनिटरिंग

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 09 अगस्त को जिले में विशेष स्वास्थ्य अभियान स्वस्थ्य छत्तीसगढ़ यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग फॉर पीवीटीजी का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत पीएम जनमन के माध्यम से जिले के पीवीटीजी एवं पंडो परिवार का स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्क्रीनिंग की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंडों में अभियान के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें चिन्हित पीवीटीजी एवं पंडो परिवारों तक पहुंचकर प्रत्येक सदस्य की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करेगी।

अभियान की विशेषता है कि स्वास्थ्य जांच की जानकारी सीएचओ एवं आरएचओ द्वारा निर्धारित मोबाइल ऐप के माध्यम से मौके पर ही रियल-टाइम दर्ज की जाएगी। इससे प्रत्येक परिवार एवं लाभार्थी की स्वास्थ्य जांच की स्थिति की तत्काल ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा सकेगी तथा जांच से वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें भी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जा सकेगा।

अभियान के दौरान सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यकतानुसार विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जांच, गैर-संचारी रोगों की जांच तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जांच में किसी बीमारी अथवा स्वास्थ्य समस्या की पहचान होने पर संबंधित व्यक्ति को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के साथ आवश्यकता अनुसार उच्च स्वास्थ्य संस्था में भी रेफर किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने कहा कि पीवीटीजी एवं पंडो समुदाय के प्रत्येक परिवार तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पीएम जनमन के माध्यम से जिले के प्रत्येक पीवीटीजी एवं पंडो परिवार की यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग की जाएगी। सभी विकासखंडों में कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। जिससे अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ अभियान को संचालित करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई भी पीवीटीजी एवं पंडो परिवार स्वास्थ्य जांच से वंचित न रहे।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक / निर्माण / आ.वि. / 2026 / 2187 — अम्बिकापुर दिनांक 05.08.2026

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग जिला – सरगुजा अन्तर्गत निम्न कार्य हेतु ई-टेडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर दिनांक 06.09.2026 तक ऑनलाईन प्रथम निविदा आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा कार्यों की कुल राशि
196944 से 196950 तक 196952 196954 से 196956 तक 196966 एवं 196976	विभागीय छात्रावास / आश्रमों का भवन जीणोद्धार कार्य (कुल कार्य संख्या-13 पृथक-पृथक)	3,25,07,000-00

निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
अम्बिकापुर

जी-262702631 / 3

शपथ पत्र

मैं इन्द्र कुंवर पति शिवबालक उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी ग्राम-कमलापुर पोस्ट गांगीकोट थाना-बिश्रामपुर तहसील-लटोरी जिला-सूरजपुर (छ०ग०) की निम्नांकित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ :-

मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मेरा पुराना नाम इन्द्र कुंवर (Indr Kumvar) है और मैं अपना नाम बदलकर इन्द्र कुंवर (Indr Kumvar) से बदलकर इन्द कुवर (प्द्क ज्ञनूंत) करवाना चाहती हूँ। मेरे पुराने नाम इन्द्र कुवर (Indr Kumvar) से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मैं नाम बदलकर यदि कोई गैर कानुनी काम करती हूँ तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहेंगी। मैं यह शपथ अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

बोल बम... हर-हर महादेव के जयकारे से गूंज उठा अंबिकापुर

भक्तिमय हुआ सावन, शंकरघाट बांक नदी से उठाया पवित्र जल, कैलाश गुफा के लिए हजारों कांवरियों के रवाना होने का 41वां वर्ष

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सावन के पवित्र महीने में शिव भक्तों का उत्साह चरम पर है। शनिवार को शंकरघाट बांक नदी से हजारों कांवरियों ने पवित्र जल उठाकर 85 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू की। ये कांवरिये कैलाश गुफा पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

सरगुजा कांवरिया सेवा संघ के तत्वावधान में पिछले 41 वर्षों से निकल रही इस परंपरागत कांवर पदयात्रा में इस बार भी भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कांवरियों का जत्था शुक्रवार देर रात से ही शंकरघाट पहुंचना शुरू हो गया था। शनिवार मध्यरात्रि एक बजे से ही बांक नदी से जल उठाने के लिए कांवरियों का हुजूम उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने घाट पर ही पड़ाव डाला था।

भक्तिमय माहौल, गूंजे बोल बम के नारे

शंकरघाट से कांवरियों का जत्था 'बोल बम... हर-हर महादेव... जय जय शिवशंकर' के जयकारों के साथ नाचते-गाते रवाना हुआ। सूर्योदय से पहले ही बड़ी संख्या में कांवरिये शहर छोड़ चुके थे। यात्रा में महिला, पुरुष, बुजुर्ग के साथ छोटे बच्चों में भी खासा उत्साह देखा गया। कांवर यात्रा में सरगुजा के साथ कोरिया, रायगढ़, जशपुर सहित सीमावर्ती राज्यों के श्रद्धालु भी शामिल हुए। शुक्रवार दोपहर से ही कांवरियों का पहुंचना शुरू हो गया था।

जगह-जगह स्वागत और सेवा

रास्ते भर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा कांवरियों के लिए जलपान, नाश्ते और स्वागत की व्यवस्था की गई। यात्रा शंकरघाट से प्रारंभ होकर लुचकी, चेंद्रा, लमगांव होते हुए देर शाम बतौली पहुंची। यहां रात्रि विश्राम के बाद जत्था कैलाश गुफा के लिए रवाना होगा और सोमवार को श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव के साथ जलाभिषेक करेंगे।

निकली आकर्षक झांकियां

पदयात्रा के दौरान शहर में भोलेनाथ-पार्वती और भगवान गणेश की जीवंत झांकियां निकाली गईं, जो आकर्षण का केंद्र रहीं। सुरक्षा को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन ने पूरी तैयारी की है। अधिकारियों की मजिस्ट्रियल ड्यूटी लगाई गई है। भारी वाहनों का आना-जाना इस दौरान निषेध किया गया है।

एनएसएस कार्यशाला में भाषा, संस्कार और आत्मविश्वास पर जोर

वक्ताओं ने कहा-हिंदी सिर्फ भाषा नहीं, हमारी पहचान है

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, सुभाषनगर में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत 'हिंदी भाषा और व्यक्तित्व निर्माण' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष रानी रजक के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

हिंदी हमारी पहचान: आशांशु त्रिपाठी

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आशांशु त्रिपाठी, शिक्षक हिंदी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवपुर बतौली ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। हिंदी संस्कृत की पुत्री है और इसके अनेक रूप हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी किसी एक जाति की भाषा नहीं, यह सबकी है। भाषा केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि यह हमारे संस्कार, संस्कृति, व्यवहार और व्यक्तित्व की पहचान भी है। उन्होंने कहा कि शुद्ध, सरल और विनम्र भाषा आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करती है। हिंदी साहित्य में निहित नैतिकता, संवेदना और मानवीय मूल्य चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि सशक्त भाषा, सशक्त विचारों को जन्म देती है।

भाषा से बनता है व्यक्तित्व: निर्मल गुप्ता

दूसरे मुख्य वक्ता निर्मल कुमार गुप्ता, लेखपाल, सेफोरा हेल्थ हाइजिन कंपनी जशपुर ने कहा कि व्यक्तित्व हमारे विचारों, व्यवहार और संवाद के तरीके से बनता है। स्पष्ट और प्रभावशाली हिंदी में बात रखने से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भाषा ज्ञान के संप्रेषण का सबसे बड़ा साधन है।

मुख्य अतिथि अमृता ने दिया यह संदेश

मुख्य अतिथि अमृता जायसवाल ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति और भावनाओं की पहचान है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि आप भविष्य के शिक्षक हैं, इसलिए आपकी भाषा और व्यवहार विद्यार्थियों के लिए आदर्श बने। सरल, शुद्ध और सकारात्मक भाषा का प्रयोग करें।

हर भाषा का करें सम्मान: श्रद्धा मिश्रा

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कहा कि हमें हर भाषा का सम्मान करना चाहिए। हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि हमारे विचारों और संस्कारों की पहचान है। कार्यक्रम में उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सविता यादव, सीमा बंजारे सहित बी.एड प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

मंदिर में शादी के बाद ससुराल गई दुल्हन चौथे दिन जेवर लेकर भागी

मध्यप्रदेश से आए पीड़ित 2 लाख की चपत से आहत, फरियाद लेकर पहुंचे एसपी कार्यालय

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शादी के नाम पर धोखाधड़ी कर एक लाख रुपये नकद और एक लाख रुपये के जेवरात लेकर लड़की को नहीं भेजने और मोबाइल चोरी करके ले जाने का मामला सामने आया है। चार दिनों से भटक रहे पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक से इसकी लिखित शिकायत करके आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता रामकली लोधी, पति अर्जुन लोधी, निवासी ग्राम दुरीटियापार, थाना करसुवार, जिला छतरपुर मध्य प्रदेश ने पुलिस अधीक्षक के नाम दिए गए आवेदन में बताया है कि, उनके पुत्र तुलसीदास लोधी का विवाह 3/05/2026 को सरगुजा जिला के लखनपुर थाना अंतर्गत ग्राम जमगला निवासी एक लड़की से शिव मंदिर में हुआ था। इस विवाह को सम्पन्न कराने में जमगला के सेन दंपति ने मुख्य भूमिका निभाई थी। विवाह कराने के नाम पर सेन दंपति ने उनसे एक लाख रुपये नकद लिया और अतिरिक्त एक लाख रुपये से जेवर खरीदकर लड़की को पहनाया। विवाह के बाद लड़की उनके घर ग्राम बूढ़ीश्यामर, पंचायत मानकी आकर तीन दिन तक घर में रही। चौथे दिन रात में लड़की शौच जाने का बहाना बनाकर घर से निकली और लौटकर नहीं आई।

लड़की के तलाश में जब वे जुटे तो पता चला कि, कुछ लोग गुप्त रूप से उसे बम्होरी से उसे लेकर चले गए हैं। यह पता नहीं चल सका कि उसे कौन लेने आया और किस कारण वो चली गई। जब उनका पुत्र तुलसीदास लड़की को लेने उसके घर गया तो लड़की ने आने से मना कर दिया। साथ ही लड़की के घर वालों ने 50 हजार रुपये की मांग करते हुए कहा कि पहले पैसे दो, तभी लड़की को भेजेंगे। इस प्रकार सेन दंपति द्वारा विवाह के नाम पर धोखाधड़ी कर आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पीड़ित परिवार ने सुनियोजित ठगी के इस मामले में संबंधितों के विरुद्ध धोखाधड़ी एवं अन्य उपर्युक्त धाराओ के तहत विधिसम्मत कार्रवाई करने, नकद रकम एवं खरीदे गए जेवरात वापस दिलाने और तथा अन्य हुए नुकसान की भरपाई कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि कोई और इनके झांसे में न आए।

ठेकेदार ने विवि पर 8.23 लाख भुगतान नहीं करने का लगाया आरोप

विवि परिसर भकुरा में कराया था भूमि समतलीकरण का काम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा के भकुरा स्थित नवीन परिसर में कराए गए भूमि समतलीकरण और झाड़ियों की सफाई के काम का भुगतान अब तक नहीं होने से ठेकेदार परेशान है। ठेकेदार ने कुलपति को लिखित आवेदन देकर 8 लाख 23 हजार 200 रुपये का बकाया बिल को स्वीकृत देकर भुगतान कराने की मांग की है। ट्रैक्टर एवं एग्रीकल्चर सर्विस के नागेन्द्र सिंह ने आवेदन में बताया है कि, संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय के नवीन परिसर भकुरा में किराए के ट्रैक्टर-डोजर में ईंधन और चालक लगाकर वह भूमि समतलीकरण एवं झाड़ियों की सफाई का कार्य किया था। यहां कुल 7 ट्रैक्टर-डोजर 14-14 दिन तक काम में लगे थे। प्रति घंटा 1050 रुपये की दर से 8-8 घंटे काम हुआ। इस हिसाब से कुल 56 घंटे और 8,23,200 रुपये का बिल बनता है। आरोप है कि, काम के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अब तक बिल पास नहीं किया गया है। बिल पास नहीं होने के कारण उसे किसानों को भुगतान करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक परेशानी हो रही है। ठेकेदार का कहना है कि वे काफी दिनों से विश्वविद्यालय का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें भगा दिया जाता है। ठेकेदार ने कुलपति से उक्त कार्यों का बिल शीघ्र स्वीकृत करने का आग्रह किया है।

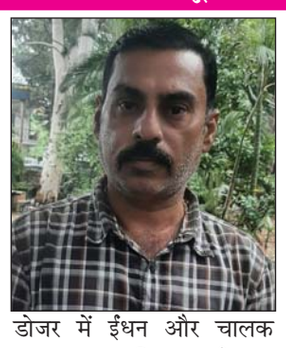

एटीएम कार्ड बदलकर निकाल लिए 75 हजार

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिला के भटगांव थाना अंतर्गत जरही में एसईसीएल से सेवानिवृत कर्मचारी के बैंक खाते से संबद्ध एटीएम कार्ड को बदलकर 75 हजार रुपये निकाल लेने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के मुताबिक ऊर्जानगर जरही निवासी मानिकचंद गुप्ता पिता स्व. मुनेश्वर गुप्ता 60 वर्ष का भारतीय स्टेट बैंक शाखा भटगांव में खाता है। 05 अगस्त को वे दोपहर करीब 12 बजे नगर पंचायत जरही में स्थित एसबीआई के एटीएम में पैसा निकालने गए थे। मशीन में पैसा निकालने के लिए उन्होंने कार्ड डाला, जो मशीन में ही फंस गया था। बगल में खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें कहा कि, उसका भी एटीएम कार्ड फंस गया था। इसके बाद वह दीवार पर लिखे एक नंबर पर फोन करने के लिए कहा, और आश्वस्त किया कि उनका भी कार्ड निकल जाएगा। उक्त पम्बर पर जब उन्होंने कॉल किया तो सामने वाले ने खुद को एसबीआई का मैनेजर बताते हुए उनकी बातों को सुना और कहा कि एटीएम मशीन में लगे कैमरे के सामने खड़े होकर हरा बटन दबाएं और अपना पिन नंबर बताएं। वे अपना पिन नंबर बताए लेकिन एटीएम कार्ड मशीन से नहीं निकला। फिर उसी नंबर से दोबारा कॉल आया और कहा गया कि एटीएम कार्ड निकालने के लिए उन्हें आईडीबीआई बैंक के तिवारी साहब का एक कागज में हस्ताक्षर कराकर लाना होगा। यहां मौजूद सुपरवाइजर ओमप्रकाश गुप्ता ने उन्हें सुजीत के साथ आईडीबीआई बैंक जाने कहा। जब वे सुजीत के साथ आईडीबीआई बैंक गए, तो वहां कोई तिवारी सर नहीं मिले। बैंक जाने के कुछ ही देर बाद लगभग 5 मिनट में ओमप्रकाश ने फोन करके बताया कि उनका एटीएम कार्ड निकल गया है। जब वे एटीएम में पहुंचे तो वह एटीएम कार्ड उनका नहीं था। इसकी जानकारी एसबीआई के हेल्पलाइन नंबर में देकर उन्होंने अपने कार्ड को ब्लॉक कराया और भटगांव में स्थित एसबीआई के बैंक शाखा में पहुंचे। खाते का स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि उनके खाते से 75 हजार रुपये निकाला गया है। इसकी रिपोर्ट उन्होंने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 में भी दर्ज कराई है। भटगांव थाना पुलिस मामले में केस दर्ज करके अग्रिम विवेचना कार्रवाई कर रही है।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 3 लोगों पर 30 हजार अर्थदंड

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में यातायात शाखा की टीम ने चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 3 लोगों पर 30 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त ने बताया कि चेकिंग के दौरान पहली कार्रवाई कार क्रमांक सीजी 15 ईई 5646 के चालक अमिताभ पन्ना 26 वर्ष, निवासी सलयाडीह थाना बतौली पर की गई। दूसरा मामला कार क्रमांक जेएच 01 बीएफ 5109 के चालक विशाल सोनवानी 24 वर्ष, निवासी सुर थाना सीतापुर के विरूद्ध की गई। तीसरे प्रकरण में स्कूटी क्रमांक सीजी 15 ईएच 8601 के चालक मुकेश मिंज 31 वर्ष, निवासी गंगापुर थाना गांधीनगर के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। तीनों वाहन चालक मौके पर शराब के नशे में धुत्त मिले। ब्रेथ एनालाइजर से जांच करने पर नशे की पुष्टि हुई। पुलिस ने तीनों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने प्रत्येक चालक पर 10-10 हजार रुपये, कुल 30 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। यातायात पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि, शराब पीकर वाहन न चलाएं। यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आवास प्लस सूची से पात्र हितग्राहियों के नाम हटाने का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के विकासखंड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत मानपुर में आवास प्लस सूची से पात्र हितग्राहियों के नाम हटाए जाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं पात्र हितग्राहियों के नाम सूची में शामिल करने की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि, ग्राम पंचायत मानपुर में ग्राम पंचायत सचिव रामेश्वर पैकरा एवं रोजगार सहायक सचिव अनिल अगरिया द्वारा सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों की सहमति के बिना पात्र हितग्राहियों को आवास प्लस सूची में अपात्र घोषित किया गया है। समाज ने इसे नियम विरुद्ध बताते हुए पूरे मामले की पुन जांच कराने की मांग की है। सर्व आदिवासी समाज ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि, संबंधित हितग्राहियों का पुन: सर्वे कराकर पात्र लोगों के नाम आवास प्लस सूची में जोड़े जाएं, ताकि जरूरतमंद परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित न हों और दोषियों पर जांच उपरांत करवाई हो ।

कांवरिया सेवा संघ के जुलूस में शामिल युवकों से मारपीट, सिर में कड़ा से हमला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कांवरिया संघ के द्वारा निकाले गए जुलूस में शामिल युवकों के साथ मारपीट करते हुए सिर में कड़ा से हमला करने का मामला सामने आया है। रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम कुनकुरी निवासी हरीश कुमार ने पुलिस को बताया है कि, सावन के मौके पर कांवर यात्रा के लिए जल शंकर घाट से उठाकर कैलाश गुफा जाने के लिए 7 अगस्त को वह अपने गांव से रिश्ते में भाई आयुष व रामाशंकर के साथ अंबिकापुर आया था, और यहां कांवरिया संघ द्वारा निकाले गए रैली में शामिल होकर डांस कर रहा था। अग्रसेन चैक के पास रात करीब 9 बजे ग्राम रनपुर का भोला राजवाड़े मिला, जो एक लड़की से बात करने को लेकर रंजिश रखता था। इसी बात को लेकर भोला राजवाड़े उसे डांस करते देखकर कॉलर पकडकर खींचने लगा। उसकी हरकत को देखकर भाई आयुष व रामाशंकर बीच-बचाव करने लगे। रामाशंकर को भोला राजवाडे व उसके साथी दो थप्पड मार दिए, इसके बाद वह किनारे हो गया। इससे घबराकर वह आयुष के साथ भागने लगा, तो भोला राजवाड़े और उसके साथी दोनों को दौड़ाकर पकड़े और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ, मुक्का, लात व हाथ में पहने कड़ा से मारपीट करने लगे। कड़ा से किए गए वार में हरीश के सिर से खून निकलने लगा, आयुष को भी हाथ और सिर में चोट आई है। इस दौरान आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। रिपोर्ट पर केस दर्ज करके पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

आयुष चिकित्सकों पर दबाव के आरोप निराधार, केवल लोकतांत्रिक अपील

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद, रायपुर के परिषद चुनाव 2026 को लेकर आयुष चिकित्सकों पर दबाव बनाए जाने के आरोपों का छ.ग. आयुर्वेद अधिकारी संघ, सरगुजा संभाग ने पुरजोर खंडन किया है। संघ की जिला शाखाएं सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, एमसीबी और जशपुर द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि परिषद चुनाव 2026 के लिए पूरे प्रदेश में प्रत्येक संभाग से संघ द्वारा अपने अधिकृत प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा गया है। संघ का उद्देश्य प्रदेश के आयुर्वेद एवं संबंधित चिकित्सा पद्धतियों के पंजीकृत चिकित्सकों के हितों को प्रभावी रूप से परिषद के समक्ष रखना तथा परिषद के कार्यों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और चिकित्सकों की सहभागिता को मजबूत करना है। इस चुनाव में जीवित एवं वैध रूप से पंजीकृत प्रदेश के आयुष चिकित्सक ही अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। संघ ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रत्येक चिकित्सक का स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक अधिकार है। किसी भी चिकित्सक पर किसी प्रकार का दबाव या अनुचित प्रभाव डालना संघ की भावना के विपरीत है। बोर्ड/परिषद सदस्य निर्वाचन के संबंध में संयुक्त जिला सरगुजा संभाग द्वारा आयुष चिकित्सकों से मतदान हेतु केवल लोकतांत्रिक अपील की गई है। छ.ग. आयुर्वेद अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. गदाधर पण्डा ने स्पष्ट किया कि, किसी भी आयुष चिकित्सक पर मतदान के लिए दबाव, भय, प्रलोभन अथवा अनुचित प्रभाव नहीं बनाया गया है। सभी चिकित्सक अपने विवेक एवं स्वतंत्र इच्छा के अनुसार मताधिकार प्रयोग करने के लिए पूर्णत: स्वतंत्र हैं। उन्होंने चिकित्सकों पर दबाव बनाए जाने संबंधी आरोप को पूर्णत: निराधार एवं भ्रामक बताया है। संघ की ओर से लोकतांत्रिक मूल्यों, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया तथा प्रत्येक चिकित्सक के स्वतंत्र मताधिकार के पूर्ण सम्मान की बातें कही गई हैं।

48 वें जन्मदिन पर बुधनी सिंह आयाम ने पेश की मानवता की मिसाल

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए लोग अलग-अलग तरीके अपनाते हैं, लेकिन बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर स्थित दिव्यांग आश्रम में छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज की महिला प्रभाग महासचिव बुधनी सिंह आयाम ने सेवा और संवेदना की अनूठी मिसाल पेश की। बुधनी सिंह आयाम ने अपने 48वां जन्मदिन स्वजन के साथ दिव्यांगों के बीच मनाया। उन्होंने आश्रम में दिव्यांगों के लिए भोजन, कपड़े, फल और मिठाइयों की व्यवस्था की। साथ ही आश्रम की जरूरतों को देखते हुए संस्था को 5 हजार रुपये नकद सहयोग राशि भी प्रदान की। इस अवसर पर आश्रम में खुशी और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। बुधनी सिंह आयाम ने कहा कि जन्मदिन पर अपने लिए खुशियां मनाने के बजाय दिव्यांगजनों के साथ समय बिताकर उन्हें आत्मिक संतुष्टि मिली। उन्होंने कहा कि, आगे भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार आश्रम की हरसंभव मदद करती रहेंगी। आश्रम को किसी भी परिस्थिति में सहयोग की आवश्यकता हो तो उन्हें नि:संकोच याद किया जा सकता है। बुधनी सिंह आयाम का यह सेवा भाव न केवल उनके जन्मदिन को यादगार बना गया, बल्कि समाज में मानवता मिसाल पेश किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर